सी बी टी प्रकाशन

2017-18

हिन्दी पुस्तक सूची

fpYMUl cd VLV

सीबीटी अपनी स्थापना के 60वें वर्ष में है। इन सुनहरे वर्षों ने न सिर्फ रचनात्मक विचारों, विषयों और तथ्यपूर्ण विवरणों के रूप में प्रगति को होते देखा है, वरन अपनी प्रस्तुति, उत्पादन और दृष्टिगत व्याख्यायों में भी। पंचतंत्र की कहानियों के रूप में प्रकाशित पशु चरित्रों की मज़ेदार कहानियां, व अत्यंत लोकप्रिय लोक कथाओं से लेकर जो आज भी सबकी पसंदीदा किताबें हैं, सीबीटी ने समय के अनुरूप चलने के लिए किशारों की समस्यायों, वैज्ञानिक व तकनीकी उन्नति, स्कूल व खेलों संबंधी दुविधाएं, भारत की प्रगति में प्रतिष्ठित पुरुषों और महिलाओं का योगदान, आम लोगों की बदलती मानसिकता और उनके विचारों में आए परिवर्तन जैसे यथार्थपरक मुद्दों पर अपना ध्यान केंद्रित किया। आशा की गई कि नई विधाओं में किताबें छापने के प्रयास, युवा मन पर चीज़ों को जानने की गहन जिज्ञासा के साथ–साथ जीवन के प्रति एक स्वस्थ व प्रगतिशील दृष्टिकोण भी पैदा करेंगे।

इस तरह से सीबीटी ने लगातार अपने पाठकों के लिए साहित्य का एक विशाल भंडार निर्मित किया, जिसका अगर व्यवस्थित व क्रमानुसार पालन किया जाए तो ज्ञात होगा कि वह बच्चों के साहित्य में हुए विकास की गति को दर्शाता है–उस समय से लेकर जब बच्चों के लिए कुछ ऐसा नहीं था जिसे वे अपना कह सकें, और वर्तमान समय तक जो न सिर्फ प्रतियोगी है, वरन चुनौतिपूर्ण भी है। "अगर बच्चों के लिए सबसे उत्तम ही श्रेष्ठ है," तो सीबीटी एक महत्वाकांक्षी और प्रगतिशील राष्ट्र, भारत की वर्तमान स्थिति से तारतम्य बिठाने के लिए और बड़ी ऊंचाइयों को छूने का प्रयास करता रहेगा।

d- 'kdj fiYy

½31 tykbZ 1902 l 26 fnlacj 1989½

शंकर नाम से प्रसिद्ध केशव शंकर पिल्लै, भारत के सबसे प्रतिष्ठित कार्टूनिस्ट थे।

उनका जन्म केरल के कायमकुलम में 31 जुलाई 1902 में हुआ। सन 1927 में त्रिवेंद्रम के महाराजा कॉलेज ऑफ साइंस से ग्रेज्यूशन करने के बाद, वह लॉ कॉलेज में पढ़ने के लिए बंबई गए। वहां जल्दी ही उन्होंने एक शौक के रूप में कार्टून बनाने की कला को अपना लिया। राजनैतिक हस्तियों और राष्ट्रीय घटनाओं पर बने उनके कार्टूनों ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। 1932 में वह 'हिंदुस्तान टाइम्स' से जुड़े और 1946 तक बतौर स्टाफ कार्टूनिस्ट वहां काम करते रहे।

शंकर ने सन 1948 में 'शंकर्स वीकली' का प्रकाशन आरंभ किया। उनकी यह पत्रिका स्वस्थ, मज़ेदार हास्य–विनोद से युक्त थी। अगस्त 1975 में शंकर ने वीकली बंद कर दी और अपना सारा ध्यान चिल्ड्रन्स बुक ट्रस्ट (सीबीटी) के विभिन्न पहलुओं को विकसित करने में लगा दिया जिसका गठन उन्होंने सन 1957 में किया था।

भारत के संभवतः सबसे अधिक सम्मानित व्यक्तियों में से एक, शंकर ने पद्म श्री (1956), पद्म भूषण (1966), पद्म विभूषण (1976) सहित अनेक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त किए। 26 दिसंबर सन 1989 को शंकर की मृत्यु हो गई।

'kdj dk lLFkku

भारत में बच्चों की किताबों के अग्रणी प्रकाशक, सीबीटी का उद्देश्य है बच्चों के लिए बेहतर ढंग से लिखी, बेहतर चित्रों व सुंदर डिज़ाइन वाली किताबों का प्रकाशन करना। विविध प्रकार की आकर्षक चित्र–पुस्तकों के अलावा, सीबीटी, अकथा–साहित्य, उपन्यास, लोक कथाएं, रहस्य–रोमांच, सांस्कृतिक मूल्यों, विज्ञान व तकनीक, पर्यावरण, हास्य–व्यंग आदि विभिन्न विषयों पर पुस्तकें प्रकाशित करता है।

अब तक चिल्ड्रन्स बुक ट्रस्ट लगभग 1000 से भी अधिक पुस्तकें छाप चुका है। अंग्रेज़ी और हिंदी के अलावा, सीबीटी ने असमी, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू भाषा में किताबें छापी हैं। स्थानीय वितरण के लिए कुछ चुनी हुई सीबीटी पुस्तकों को मुंडारी व तिब्बती भाषा में भी छापा गया है। भारतीय बच्चे उन्हें आसानी से खरीद सकें, इसी का ध्यान रखते हुए पुस्तकों की कीमतें कम रखी गईं हैं।

ट्रस्ट बच्चों के लिए अंग्रेज़ी की 'चिल्ड्रन्स वर्ल्ड' नामक मासिक पत्रिका भी प्रकाशित करता है। इसमें कहानियां, कविताएं, पहेलियां छपते हैं जो बच्चों व वयस्कों द्वारा प्राप्त की जाती हैं।

सन 1951 में 'शंकर्स इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स कंपीटिशन' की शुरुआत हुई जिसमें बच्चे अपने चित्र व रचनाएं भेजते हैं। 135 से भी ज़्यादा देशों के बच्चे इसमें हिस्सा लेते हैं और करीब इसमें 800 पुरस्कार दिए जाते हैं। सबसे उत्कृष्ट चित्र को भारत के राष्ट्रपति का गोल्ड मेडल मिलता है, जबकि सबसे उत्कृष्ट प्रविष्टि को शंकर्स गोल्ड मेडल मिलता है। पुरस्कृत प्रविष्टियों की प्रदर्शनी लगाई जाती है और एक वार्षिक अंक 'शंकर्स चिल्ड्रन्स आर्ट नंबर' में उन्हें प्रकाशित किया जाता है।

स्कूली बच्चों और दिल्ली घूमने आने वालों के पसंदीदा स्थल शंकर्स इंटरनेशनल डॉल्स म्यूज़ियम में विभिन्न पोशाकों वाली गुड़ियों का जितना विशाल संग्रह है वह दुनिया भर में कहीं नहीं है। इस संग्रह ने उपहार में मिली उस एक गुड़िया की वजह से आकार लिया जो शंकर को पचास के आरंभिक दशकों में शंकर्स इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स कंपीटिशन में पुरस्कार में देने के लिए हंगरी के राजदूत से मिली थी। उस हंगरी की गुड़िया से शंकर इतने अभिभूत हुए कि वह जब भी विदेश जाते, वहां की गुड़िया ले आते और इस तरह उन्होंने गुड़ियों को एकत्र करना शुरू कर दिया। जब चिल्ड्रन्स बुक ट्रस्ट अपनी इमारत तैयार

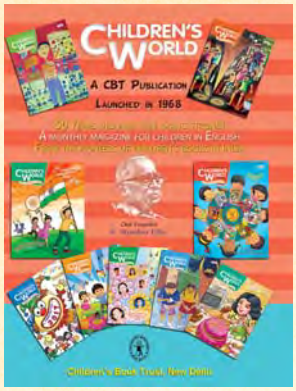

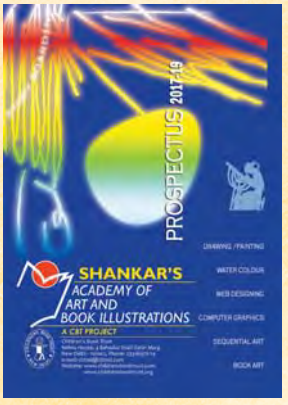

कर रहा था तो गुड़ियों के संग्रहालय के लिए एक म्यूज़ियम बनाया गया जिसका उद्घाटन सन 1965 में भारत के राष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन ने किया था। उस समय इसमें 1000 गुड़ियां थीं और आज इसमें 85 देशों की 7500 से भी अधिक गुड़ियां हैं।

डॉल्स म्यूज़ियम से जुड़ा डॉल्स डिज़ाइनिंग एवं प्रोडक्शन सेंटर (सन 1966 में इसकी शुरुआत हुई) भारत के लोगों के विभिन्न वर्गों को चित्रित करतीं सुंदर, एकदम सजीव लगने वाली, हाथ से बनी गुड़ियां बनाने में पारंगत है। वर्कशॉप में बनी गुड़ियों को सन 1980 में इंटरनेशनल डॉल्स कंपीटिशन में पोलैंड में 'गोल्डन पीकॉक अवॉर्ड' प्राप्त हुआ था।

सीबीटी की किताबों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए सन 1965 में इंद्रप्रस्थ प्रेस स्थापित की गई। इसमें सीबीटी की उच्चस्तरीय छपाई के साथ–साथ बाहर का काम भी लिया जाता है। प्रेस में आधुनिक छपाई तकनीक का प्रयोग किया जाता है और इसने अपनी छपाई में उत्कृष्टता के लिए अनेक पुरस्कार भी हासिल किए हैं।

सीबीटी के परिसर में निहित, डॉ. बी.सी. रॉय मेमोरियल चिल्ड्रन्स रीडिंग रूम एवं लाइब्रेरी में अंग्रेज़ी और हिंदी में विभिन्न विषयों पर 30,000 से भी अधिक पुस्तकें हैं। सन 1967 में खुली यह लाइब्रेरी खास 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए है। लाइब्रेरी में किताबों को देखने की एक खुली प्रणाली है जिसके द्वारा बच्चों को अपने पसंद की किताबें चुनने में मदद किया जाता है। लाइब्रेरी सार्वजनिक अवकाशों को छोड़कर हफ्ते के सातों दिन सुबह 9.30 बजे से शाम 5 बजे तक खुली रहती है। इसमें एक विशाल रीडिंग रूम है जिसकी दीवारें शंकर्स इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स कंपीटिशन की पुरस्कृत पेंटिंग्स से सुसज्जित हैं।

शंकर को श्रद्धांजलि देने के लिए सन 1991 में 'शंकर्स एकाडमी ऑफ आर्ट' की स्थापना हुई। यह आर्ट, बुक इलस्ट्रेशन और कंप्यूटर ग्राफिक्स का कोर्स चलाती है।

शंकर का आखिरी सपना था बच्चों के लिए एक केंद्र (सेंटर फॉर चिल्ड्रन) खोलना। नई दिल्ली के चाणक्यपुरी की सुंदर पृष्ठभूमि, खुली जगह और विस्तृत आकाश, चौड़ी सड़कों व बगीचों के पास स्थित, शंकर्स सेंटर फॉर चिल्ड्रन में एक रचनात्मक संयोजन की ओर प्रेरित होने के लिए बच्चों द्वारा व उनके लिए विभिन्न गतिविधियों का चलाने का प्रस्ताव है।

जिन भी विविध गतिविधियों को करने का बीड़ा सीबीटी ने उठाया, उसकी अंतर्निहित प्रेरणा शंकर का वह विश्वास ही है कि बच्चे केवल श्रेष्ठ पाने के ही हकदार हैं।

fp= iLrd

jx–fcjax fp=k l s lth lhchVh dh vkd"kd fp= iLrd vkB o"k l de cPpk d fy, gA cM 'kCn vkj l jy Hkk"kk 'kyh e bl dh dgkfu;k fnypLi fo"k;k o pfj=k ij vk/kfjr gkrh gA bl oxl d vrxr dkUlIV vk/kkfjr iLrd] çkjfHkd ikBdk d fy, fp=kRed iLrd vkj jhM&vykmM iLrd vkrh gA

dkUlIV vk/kkfjr iLrd

3 l 5 o"k d cPpk d fy, cuh ; iLrd cPpk dh lonh vkj rkfdd {kerkvk dk fodkl dju e lgk;d gkrh g vkj cgr gh etnkj rjhd l mudh lh[ku e enn djrh gA

vkvk fxurh xk,

बच्चों को गिनती सिखाने के लिए इस पुस्तक में सुंदर चित्रों सहित कविताएं दी गई हैं।

लेखन: जे.सी. मेहता

चित्रांकन: सुरेन्द्र सुमन

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 16, बहुरंगी

ISBN 81-7011-814-X

vkvk fxu ckny

एक रोचक पुस्तक जो बच्चों को गिनती सिखाती है।

लेखन: शांतिनी गोविंदन

चित्रांकन: सौरभ पाण्डेय

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 16, बहुरंगी

ISBN 978-81-7011-983-9

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

mYVk&iqYVk

चिंकू और पिंकू दो भाई थे। एकदम शरारती, लेकिन वे हमेशा एक–दूसरे से विपरीत काम करते थे।

लेखन: किरण कस्तूरिया

चित्रांकन: नीता गंगोपाध्याय

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 16, बहुरंगी

ISBN 978-93-80076-63-8

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

Åij tkvk uhp vkvk

ऊपर–नीचे, अंदर–बाहर, ऊंचा–नीचा, गंदा–साफ... ऐसे कितने ही विपरीत तथ्यों के बारे में बच्चे इस दिलचस्प पुस्तक से सीख सकते हैं।

चित्र पुस्तकें

लेखनः मीता विष्णु
चित्रांकनः अंकुर मित्रा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-80076-90-4
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

,d Fkk okyh

नन्हा 'वॉली' तालाब में रहता था। वह कौन सा जीव है, वह स्वयं ही नहीं जानता था। सबसे पूछता रहता। वास्तविकता जानने के बाद उसका दुखी मन खुश कैसे हो जाता है? एक रोचक कहानी।

लेखनः शांतिनी गोविंदन
चित्रांकनः चैताली चैटर्जी
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-709-7

,uk dh fdrkc

एना अपनी मां के साथ खरीदारी करने बाज़ार जाती है। वहां उसे ऐसा कुछ मिल जाता है जो सिर्फ उसके लिए होता है।

लेखनः रवीना गांधी
चित्रांकनः सुरेन्द्र सुमन
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-81-89750-26-8
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

d [k x

प्रत्येक अक्षर एक शब्द के बारे में वर्णन करता है। प्रत्येक शब्द का प्रयोग एक वाक्य में किया गया है और अलग–अलग आकारों में उसे चित्रित किया गया है।

चित्रांकनः जगदीश जोशी
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-369-5
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

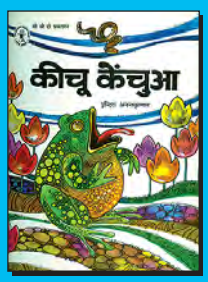

dhpw dapvk

नटखट कीचू केंचुआ अपनी शरारतों के कारण कभी किसके मुंह में तो कभी किसके? अंत में कैसे बची कीचू केंचुआ की जान?

लेखनः इन्दिरा अनन्तकृष्णन
चित्रांकनः जगदीश जोशी
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-248-6

dku cMk

कौन बड़ा–यह कर्म से पता चलता है न कि आकार से।

लेखनः मृणालिनी श्रीवास्तव

चित्रांकनः सुबीर रॉय

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 81-7011-952-9

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

[ky–[ky e

तारा मां के साथ एक खेल खेलती है और पांच इंद्रियों–आंख, कान, नाक, जीभ और त्वचा के बारे में सीखती है।

लेखनः सुमथी सुधाकर

चित्रांकनः सुबीर रॉय

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 978-93-80076-20-1

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

xCckj vkj e

एक छोटा लड़का गुब्बारे खरीदता है और उसके साथ तरह–तरह के खेल खेलता है।

लेखनः नवीन मेनन

चित्रांकनः विकी आर्य

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 81-7011-811-5

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

pyc;h cn

पानी की बूंद की यह तालाब से लेकर आकाश तक और फिर वापस धरती पर लौट आने की यात्रा की कहानी है।

लेखनः रंगीन सिंह

चित्रांकनः अंकुर मित्रा

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 978-81-89750-70

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

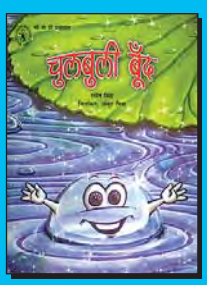

nfu;k jx–fcjxh

इस पुस्तक के चित्र और सरल भाषा बच्चों को अपने आसपास दिखने वाले रंगों से जुड़ने का अवसर देती है।

लेखनः देविका रंगाचारी

चित्रांकनः संजय सरकार

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 978-93-80076-23-2

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

पुस्तकों का पिटारा, मनोरंजन ढेर सारा

uUg&eUu xhr

प्यारे–प्यारे गीत जो आपके अंदर मधुर तान छेड़ देंगे।

रचना: निरंकारदेव सेवक

चित्रांकन: जगदीश जोशी

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 24, बहुरंगी

ISBN 81-7011-217-6

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

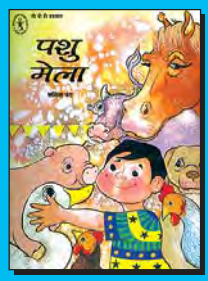

i'k eyk

एक लड़का पिता के साथ पशुओं की खरीदारी करने जाता है। उनकी यह यात्रा सीखने वाला अनुभव साबित होती है!

लेखन: शर्मिला कंठ

चित्रांकन: अजंता गुहाठाकुरता

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 16, बहुरंगी

ISBN 81-7011-879-4

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

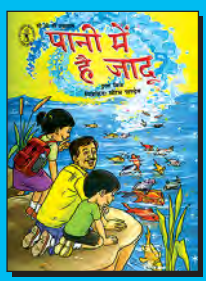

ikuh esa gS tkn

एक रंगीन चित्रात्मक कहानी जो बहुत ही रोचक ढंग से बच्चों को पानी के गुणों व उपयोगों के बारे में बताती है।

लेखन: इला विज

चित्रांकन: सौरभ पाण्डेय

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 16, बहुरंगी

ISBN 978-93-84699-00-0

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

cÙkk[k tc Mj tkrh gS!

बत्तख जब डर जाती है तो क्या करती है? जब एक ऑक्टोपस डर जाता है तो क्या करता है? ऐसे ही अनेक प्रश्नों का उत्तर है इस रोचक पुस्तक में।

लेखन: श्यामला. एस

चित्रांकन: अंकुर मित्रा

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 16, बहुरंगी

ISBN 978-81-89750-69-5

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ejk xCcw

नन्ही बच्ची के पास प्यारा–सा गुड्डा, गब्बू है। एक दिन पार्क में गब्बू को एक कुत्ता मुंह में दबा कर भाग जाता है। अब क्या उस नन्ही बच्ची को गब्बू मिल पाएगा?

लेखन: अलका शंकर

चित्रांकन: अमित श्री

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 24, बहुरंगी

ISBN 81-7011-295-8

पुस्तकों का पिटारा, मनोरंजन ढेर सारा

ejh nhokj

एक नन्ही बच्ची की काल्पनिक दुनिया। बिना शब्दों वाली किताब।

लेखनः मिन्नी पी. स्वामी
चित्रांकनः जगदीश जोशी
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-308-3
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ejh cfx;k

बहुत ही सरल शब्दों में लिखी यह पुस्तक वर्णित करती है कि बच्चा अपने बगीचे में किन–किन चीज़ों को देखता है।

लेखन व चित्रांकनः सिगरून श्रीवास्तव
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-200-1
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ejs f'k'kq xhr

बच्चों के लिए गीतों से भरी मनमोहक पुस्तक।

लेखनः प्रीतवन्ती मेहरोत्रा
चित्रांकनः अमित कुमार
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-237-0
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ejs Ldwy dh ;Yyks cl

स्कूल की येल्लो बस में बच्चे क्या–क्या मस्ती करते हैं। जानें इस लयात्मक कहानी में।

लेखनः हेमलता. एस. दीपक
चित्रांकनः सुविधा मिस्त्री
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-80076-64-5
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

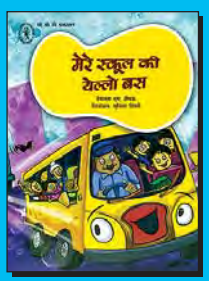

eSa Hkh---

क्या पशु, क्या पक्षी... सभी जीव अपनी–अपनी विशेषता बता रहे हैं। किसकी क्या खूबी है?

लेखनः नीलिमा सिन्हा
चित्रांकनः गीता वडेरा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 12, बहुरंगी
ISBN 81-7011-384-9

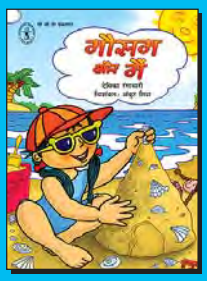

चित्र पुस्तकें

ekSle vkSj eSa

चार ऋतुओं के बारे में एक बहुत दिलचस्प पुस्तक।

लेखन: देविका रंगाचारी

चित्रांकन: अंकुर मित्रा

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 16, बहुरंगी

ISBN 81-7011-984-7

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

jlhys Qy

लयात्मक ढंग से लिखी हुई यह पुस्तक बच्चों का परिचय कुछ फलों से कराती है।

लेखन: देविका रंगाचारी

चित्रांकन: अंकुर मित्रा

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 16, बहुरंगी

ISBN 978-93-80076-99-7

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

'kksHkuk

अध्यापिका जी अपनी कक्षा के बच्चों को उनके एक नए दोस्त से मिलवाने ले गईं। बच्चों का नया दोस्त कौन था?

लेखन: मार्गरेट किड

चित्रांकन: मेरिलिन हर्श

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 24, बहुरंगी

ISBN 81-89750-61-5

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

lcdk ,d uke gS

प्रत्येक चीज़ का एक नाम होता है। यह बात इस पुस्तक में बहुत ही सुंदर चित्रों के द्वारा बताई गई है।

लेखन: श्यामला एस.

चित्रांकन: सौरभ पाण्डेय

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 16, बहुरंगी

ISBN 978-93-80076-93-5

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

lksukyh dk fe=

एक नन्ही बच्ची कौए के साथ मित्रता करना चाहती है पर कौआ अपनी आदत के अनुसार उसका बिस्कुट छीन लेता है।

लेखन: अलका शंकर

चित्रांकन: जगदीश जोशी

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 16, बहुरंगी

ISBN 81-7011-296-6

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

uUg: cPpk: d: fy, fp=kRed iLrd:

5 l: 8 o"k: d: çkjfHkd ikBdk: d: fy, cuh bl ox: dh iLrd: foLr`r fp=k: d: ek/;e l: dgkuh dk: crkrh gA

vfM;y x/kk

एक गधा नदी के पुल पर अड़ कर क्यों खड़ा हो जाता है? पार जाने के लिए कितने जानवरों को परेशानी उठानी पड़ती है? कौन उसे हटाता है?

लेखनः मनोरमा जफ़ा

चित्रांकनः रेबती भूषण

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, द्विरंगी

ISBN 81-7011-099-8

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

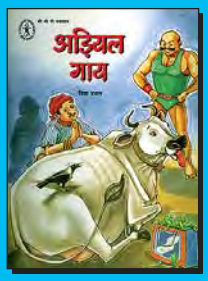

vfM;y xk;

एक गाय सड़क के बीचों–बीच बैठ जाती है और वहां से हटती नहीं है। दूधवाला मिन्नतें करता है, पुलिसवाला गिड़गिड़ाता है, दुकानदार उसे खींचता है, पर गाय वहां से हिलने का नाम ही नहीं लेती!

लेखनः विद्या प्रधान

चित्रांकनः सौरभ पाण्डेय

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, बहुरंगी

ISBN 81-7011-974-X

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

vPNk dkSu

लड़का–लड़की में कौन अच्छा? रीमा–राजू में इस प्रश्न को लेकर बहस हो जाती है। विवाद का अंत क्या होता है?

लेखनः पद्मा राव

चित्रांकनः उषा देवराजन

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 81-7011-386-5

vçSy Qy

अप्रैल फूल के दिन एक मनमौजी बच्ची के उलटे–पुलटे कारनामे!

लेखनः सिगरून श्रीवास्तव

चित्रांकनः सुबीर रॉय

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, बहुरंगी

ISBN 81-89750-20-8

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

vEek lcdh l;kjh vEek

रवि एक नन्ही गिलहरी को घर ले आता है। यह मर्मस्पर्शी कहानी चित्रित करती है कि आखिर क्यों वह उसे वापस उसकी मां के पास छोड़ आता है।

लेखनः शंकर
चित्रांकनः पुलक विश्वास
8"×10", पृष्ठ संख्याः 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-057-2
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

v'kkd dh gjh irx

एक लड़का–लड़की और उनकी पतंग की कहानी।

लेखनः मार्गरेट किड
चित्रांकनः मेरिलिन हर्श
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-059-9
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

vkIi dk xLlk vk;k

एक नन्हे ड्रैगन आप्पू की खुशी का ठिकाना नहीं रहता जब उसे खेलने के लिए एक बादल मिल जाता है। और बादल की सैर करते–करते वह घर से दूर निकल आता है। क्या बादलों की गर्जन और बिजली कड़कड़ाने के पीछे उसका हाथ है?

लेखनः शांतिनी गोविंदन
चित्रांकनः सौरभ पाण्डेय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-80076-61-4
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

vkyh vkj ikyh

नन्हा उल्लू, ओली, और नन्ही बच्ची पोली एक दूसरे से मिलना चाहते हैं। पर यह कैसे संभव हो पाएगा?

लेखनः बेनिता सेन
चित्रांकनः सौरभ पाण्डेय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-81-89750-42-9
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

bn/ku"k vkj fcnh

दुनिया के सबसे साहसी व्यक्ति की तलाश में इंद्रधनुष पर बैठ कर बिंदी नामक एक परी धरती पर आती है।

लेखनः मुक्ता मुंजाल

पुस्तकों का पिटारा, मनोरंजन ढेर सारा

चित्रांकनः बी. जी. वर्मा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-718-6
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

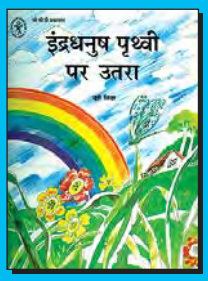

bn/ku"k iFoh ij mrjk

सप्तम इंद्रधनुष एक जगह रहते–रहते ऊब जाने के बाद पृथ्वी पर उतर आता है। क्या वह बदलाव से संतुष्ट है?

लेखनः जूही सिन्हा
चित्रांकनः सुबीर रॉय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-688-0
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

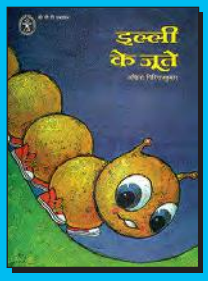

bYyh d tr

बैटी नामक इल्ली को नए जूते चाहिए थे, लेकिन जूते की दुकान में काम करने वालों को इल्ली को बार–बार जूते पहनाना और उतारना परेशान करता था।

लेखनः अखिला गिरिराज कुमार
चित्रांकनः पृथ्वीश्वर गायेन
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-81-89750-28-2
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

dp&dp

कचरू खरगोश को गाजर बहुत पसंद हैं। वह सारा दिन उन्हें खाता रहता है, लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब एक भी गाजर नहीं बचती। तब वह क्या करता है?

लेखनः संगीता गुप्ता व विनिता कृष्णा
चित्रांकनः नीता गंगोपाध्याय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-976-6
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

diMk dk nkuo

क्या होता है जब रोहित के मैले कपड़ों का ढेर बड़ा और बड़ा होता जाता है? क्या वह कपड़ों का ढेर रोहित को उसकी गलती का एहसास करवा पाएगा?

लेखनः शैरिल राव
चित्रांकनः अंकुर मित्रा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-39-0
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

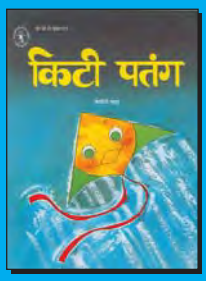

fdVh irax

मंजू और संजय की किटी पतंग, उड़ते–उड़ते, तेज़ हवा के कारण पेड़ पर अटक जाती है। फंसी हुई किटी पतंग को कौन निकालता है?

लेखनः कावेरी भट्ट

चित्रांकनः सुजशा दासगुप्ता

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 81-7011-372-5

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

fdrus dke dk gS ;g twrk

पैरों में पहनने के अलावा क्या जूते का अन्य कोई उपयोग हो सकता है? खरगोश, चूहा, बिल्ली इसका कैसे इस्तेमाल करते हैं?

लेखनः राधा एच एस

चित्रांकनः अंकुर मित्रा

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 978-93-84699-05-5

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

fdlus [kk, ekyiq,

दादी मां ने मालपुए बनाए और मालपुए गायब हो गए।

लेखनः अमित पांडे

चित्रांकनः मानसी मेवाड़ी

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 81-7011-950-2

dksjh dYiuk

नन्हे–मुन्नों के लिए एक जातक कथा।

लेखनः शंकर

चित्रांकनः रेवती भूषण

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 81-7011-236-2

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

f[kykSus okyk ?kksM+k

रामी को अपना छोटा–सा, टेढ़ा–मेढ़ा घोड़ा पसंद है, जबकि नन्ही बच्ची को अपनी प्यारी–सी गुड़िया। फिर वे अपनी चीज़ें क्यों बदलना चाहती हैं?

लेखनः दीपा अग्रवाल

चित्रांकनः अजंता गुहाठाकुरता

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 81-7011-912-X

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

xo;k x/kk

पंचतंत्र की कहानी को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

लेखनः शंकर

चित्रांकनः जगदीश जोशी

8"×10", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 81-7011-222-2

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

fxygfj;k dk cht cSd

अपने भूल जाने वाले स्वभाव से परेशान गिलहरियां, प्रिंसी तोते के एक 'बीज बैंक' बनाने वाले प्रस्ताव को मान लेती हैं। कुछ दिनों बाद बीज बैंक खाली हो जाता है! अब वे क्या करेंगी?

लेखनः शुभाश्री किशोर

चित्रांकनः सौरभ पाण्डेय

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 978-93-84699-14-7

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

xfM;k dk Hkkyw

खिलौनों की दुकान में रखे कालू भालू को कोई नहीं खरीद रहा था। गुड़िया उसे खरीद कर अपने घर ले आई। फिर ऐसा क्या हुआ कि गुड़िया अपने इस खिलौने से बिछड़ गई?

लेखनः जूही सिन्हा

चित्रांकनः सुबीर रॉय

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 81-7011-404-7

xkSjS;k vkSj jktk

नर गौरैया की पत्नी का हरण एक शरारती राजा ने कर लिया। सूरजमुखी, चूहे, चींटे और शेर की मदद से कैसे वह अपनी पत्नी को छुड़ा पाया?

लेखनः मधु टंडन

चित्रांकनः अनिल व्यास

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 81-7011-207-9

ppyk dk fu.k;

चंचला और विक्रम का पिंजरा एक दिन खुल गया। विक्रम उड़ गया लेकिन चंचला नहीं। फिर ये कैसे मिले?

लेखनः माया तॉमस

चित्रांकनः अनिल व्यास

पुस्तकों का पिटारा, मनोरंजन ढेर सारा

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 20, बहुरंगी
ISBN 81-7011-208-7

pnkekek dk ikt kek

चंदामामा ने पाजामा सिलवाया। मामा यह पाजामा पहन पाए या नहीं। बाल–कविताओं का मनोरंजक संग्रह।

चित्रांकनः अजंता गुहाठाकुरता
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-803-4

pViV cnj vkj ifl y

नन्हे बंदर को जब पेंसिल मिलती है तो वह क्या–क्या शैतानियां करता है। एक दिलचस्प चित्र–पुस्तक।

लेखनः ललिता बावा
चित्रांकनः सुरेन्द्र सुमन
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-89750-21-6
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

pkVw ydh

सोनी के पालतू कुत्ते लकी को सब कुछ चाटना पसंद है। वह ऐसा क्या चाटता है कि उसकी यह आदत ही छूट जाती है।

लेखनः रेणूका विश्वनाथन
चित्रांकनः सौरभ पाण्डेय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-81-89750-67-1
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

pkj cgjs

बकरी चराने वाला बहरा है। चौकीदार जिसकी वह मदद लेता है, वह भी बहरा है। फिर कौन सुलझाएगा इनका झगड़ा?

लेखनः शंकर
चित्रांकनः मृणाल मित्र
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-251-6
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

fpfM;k?kj dk ukbZ

जब चिड़ियाघर में नाई शेर के पिंजरे में जाता है तो बंदर भी छुपकर उसमें घुस जाता है! नाई शेर के बाल काटने लगता और बंदर...? फिर क्या होता है?

लेखनः प्रतिभा नाथ

पुस्तकों का पिटारा, मनोरंजन ढेर सारा

चित्रांकनः जगदीश जोशी
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-253-2
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

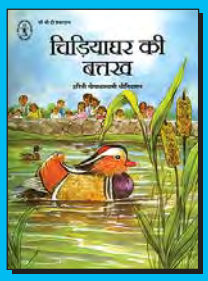

fpfM;k?kj dh cÙk[k
एक भूखी–प्यासी चिड़िया अपने घर से दूर उड़ कर एक चिड़ियाघर में आ पहुंचती है। सारे पशु उसका वहां स्वागत करते हैं। लेकिन वहां के रखवाले क्या सोचते हैं?
लेखनः हरिनी गोपालास्वामी श्रीनिवासन
चित्रांकनः नीता गंगोपाध्याय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-852-2
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

fpVdw
स्वादिष्ट खाने के लालच में चूहा मुसीबत में फंसा।
लेखनः सुरेखा पाणंदीकर
चित्रांकनः मृणाल मित्र
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-249-4
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

phVh dh p<kbZ
पेड़ के नीचे लगे टैंट की वजह से चींटी उस पर नहीं चढ़ पाती है। फिर वह क्या तरीका ढूंढ़ती है?
लेखनः अमिताव विरमानी
चित्रांकनः अंकुर मित्रा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-80076-54-6
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

pedh u fpVBh Mkyh
छह वर्षीय चुमकी जब चिट्ठी डालने जाती है, तो कितनी रोमांचकारी घटनाएं घटती हैं, पढ़िए इस पुस्तक में।
लेखनः मित्र फुकन
चित्रांकनः तापस गुहा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-706-2
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

pgk ikVh fTkankckn
चूहे खाती बिल्ली। सबको सताती बिल्ली। जब एकता की ताकत जानी, कर न सकी बिल्ली मनमानी।

पुस्तकों का पिटारा, मनोरंजन ढेर सारा

लेखनः हेमलता दीपक
चित्रांकनः सुरेन्द्र सुमन
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 32, बहुरंगी
ISBN 81-7011-956-1

NkVk 'kj cMk 'kj

बाघ का शावक अपनी मां के साथ शिकार पर हमेशा जाता है। लेकिन जब वह बड़ा हो जाता है, तो उसे अपने लिए शिकार करना खुद सीखना पड़ता है।

लेखनः लुईस हैमिल्टन फुल्लर
चित्रांकनः अनिल व्यास
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-093-9
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

tUefnu d migkj

चिंकी और बबलू की मां का जन्मदिन था। वे चिंतित थे कि मां को क्या उपहार दें? उन्हें उपहार की प्रेरणा कहां से मिली?

लेखनः गीतांजली प्रसाद
चित्रांकनः गीता वडेरा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 12, बहुरंगी
ISBN 81-7011-376-8

tc lwjt ugh mxk

रोज़ उगते और डूबते रहने से ऊब कर एक दिन सूरज ने छुट्टी लेने का निर्णय किया। फिर कैसे चांद और तारे उसे उसकी महत्ता का एहसास दिलाते हैं।

लेखनः माला जर्नादन
चित्रांकनः सुबीर रॉय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-80076-59-1
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

tk–u vkj n[kk–uk

जा–नू एक घमंडी बिल्ली है। वह जानती तो कुछ भी नहीं पर दिखाती तो ऐसे है जैसे सब जानती हो और देखो–ना एक चूहा है जो हमेशा बिल्ली को खिजाता रहता है। इस पुस्तक में दोनों की नोंक–झोंक को दर्शाया गया है।

लेखनः थंगम कृष्णन
चित्रांकनः क्षितिश आर. चटर्जी
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-716-X

पुस्तकों का पिटारा, मनोरंजन ढेर सारा

VhV u n[kh vkfr'kckth

दिवाली की रात शरारती तोता हर तरफ हो रही रोशनी को देखने के लिए अपने घोंसले से बाहर निकल जाता है... हालांकि उसे इसके घातक परिणाम झेलने पड़ते हैं।

लेखनः मृणालिनी श्रीवास्तव

चित्रांकनः सौरभ पाण्डेय

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 978-93-80076-18-8

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

MeMe dh dqlhZ

डुमडुम हाथी बड़ा मनमौजी था। एक दिन उसकी इच्छा हुई कि उसके पास भी शहरी बच्चों की तरह एक कुर्सी हो। बढ़ई ने कुर्सी तो बना दी, फिर क्या हुआ?

लेखनः उषा छाबड़ा

चित्रांकनः सौरभ पाण्डेय

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 978-93-80076-77-5

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

nknh dh lkMh

दादी की साड़ी हवा में उड़ जाती है। उसे ढूंढ़ने के लिए निकली दादी और अनु की मुलाकात अनेक लोगों से होती है। उस साड़ी का इस्तेमाल किसने किस तरह किया?

लेखनः आशा नेहेमिया

चित्रांकनः सुबीर रॉय

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 81-7011-845-X

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

nenkj ukd

मादा सुअर पारो अपने भाई–बहनों की तरह कोई भी काम ठीक से नहीं कर पाती थी। फिर एक दिन उसकी नाक दुम की तरह लंबी हो गई। उसके बाद क्या–क्या हुआ? क्या पारो की नाक पहले जैसी हो पाई?

लेखनः आर.के. मूर्ति

चित्रांकनः नीता गंगोपाध्याय

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी

ISBN 81-89750-22-4

nkLr cuk, u,&u,

आरती और माया को दो अनाथ बिलौटे मिले। वे उन्हें घर ले आईं। दूसरी कहानी में लीला को उसकी नानी ने फूल का एक पौधा दिया और उसकी देखभाल करने को कहा।

लेखनः अलका शंकर
चित्रांकनः अजंता गुहाठाकुरता
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 32, बहुरंगी
ISBN 81-7011-844-1

uUgh ijh dk tUefnu

दिया के मित्र उसके जन्मदिन पर उसे उपहार देने वाले थे। फिर अचानक जन्मदिन पर दिया क्यों रोई?
लेखनः जयंती अधिकारी
चित्रांकनः मिकी पटेल
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-717-8

u;k f[kykM+h

खेल–भावना से जुड़ी एक रोचक कहानी।
लेखनः रूपा गुप्ता
चित्रांकनः बी.जी. वर्मा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-382-2

u;s fe=

शीला ने एक मासूम पिल्ले को कुछ दुष्ट लड़कों के चंगुल से छुड़ाया। शीला की बहादुरी से अशोक बहुत प्रभावित हुआ। नये मित्र अशोक को कैसे लगे?
लेखनः दीपा अग्रवाल
चित्रांकनः पुलक विश्वास
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-374-1

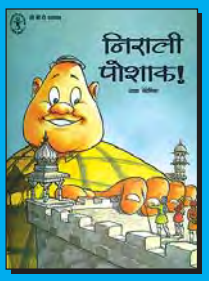

fujkyh iks'kkd!

साम्राज्य का सबसे लंबा–चौड़ा आदमी गोलमटोल राम, राजकुमारी के विवाह के लिए नई पोशाक पहनना चाहता है। हर कपड़ा उसे छोटा पड़ता है। अब वह क्या करेगा?
लेखनः आशा नेहेमिया
चित्रांकनः पृथ्वीश्वर गायेन
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-876-X
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

fujkys migkj

आंटी फरीदा अपने भाई और परिवार के लिए उपहार तैयार करने के लिए किस तरह अपनी प्रतिभा का इस्तेमाल करती हैं, यही इस पुस्तक का कथानक है।
लेखनः आशा नेहेमिया

चित्रांकनः सुजाता बंसल
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-80076-24-9
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

U;wt:e dk pgk jkuh
न्यूज़रूम में रहने वाले नन्हे चूहे रॉनी के कारनामे।
लेखनः संजना गोविंदन
चित्रांकनः धनंजय शेटगाउंकर
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-44-4
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

fiXxh dk dhpM Luku
पिग्गी सुअर को कीचड़ में नहाना पसंद नहीं था क्योंकि उसे गंदा होना अच्छा नहीं लगता था। नन्हा हाथी और चिड़िया सोचते थे कि गंदा होना अच्छा कैसे हो सकता है। टफी कछुए की सलाह पर वे तीनों क्या करते हैं?
लेखनः हेमा राव
चित्रांकनः अंकुर मित्रा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-24-6
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

fiXxh dh mMku
नन्हे सुअर पिग्गी ने चिड़िया के बच्चे चूंचूं की देखा–देखी हवा में उड़ना चाहा। क्या पिग्गी उड़ पाया?
लेखनः शीला गांधी
चित्रांकनः सुबीर रॉय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-894-8

iM+ dh ÑrKrk
आंगन में लगे पेड़ को दादा–दादी कुछ रुपयों के लिए कटवा देना चाहते थे। लाली और बबलू ने पेड़ को कैसे बचाया?
लेखनः रूपा गुप्ता
चित्रांकनः सेमुयल
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 32, बहुरंगी
ISBN 81-7011-361-X

iM+ ?keus pyk
पेड़ एक ही जगह पर खड़े–खड़े ऊब गया था और चाहता था कि घूमे। आखिर उसकी यह इच्छा पूरी हुई क्या...

लेखनः दीपा अग्रवाल
चित्रांकनः अजंता गुहाठाकुरता
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-855-7
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

i"i uxjh

फूलों के प्रेमी राजा अपनी नगरी के फूलों को मुरझाता देख उद्यान मंत्री पर क्रोधित हो गए। मंत्रीजी ने फूलों की रौनक वापस लाने के लिए क्या प्रयास किए?

लेखन एवं चित्रांकनः विशाखा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-428-4

l;kl eSuk

पशु–पक्षियों को भी उसी तरह भोजन–पानी की ज़रूरत होती है जैसे हमें। कैसे हमें उनका ध्यान रखना चाहिए?

लेखनः प्रतिभा नाथ
चित्रांकनः सुबीर रॉय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-254-0

fQj mM+ pyh frryh

नीली तितली को देख विवेक उसे पकड़ने के लिए उसके पीछे भागता है। लेकिन हर बार वह फुर्र से उड़ जाती है।

लेखनः राजी रमन
चित्रांकनः सौरभ पाण्डेय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-23-9
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

cgknj cQh

अकेलेपन से परेशान पिल्ले की यह घर का वॉचडॉग बनने की दिलचस्प कहानी है।

लेखनः अलका शंकर
चित्रांकनः अंकुर मित्रा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-80076-17-1
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

cf<;k dh jksVh

कौआ एक बूढ़ी औरत की रोटी लेकर भाग जाता है। वह बहुत लोगों से कहती है कि कौए से रोटी वापस लाने में उसकी मदद करें। अंततः कौन उसकी मदद करता है?

पुस्तकों का पिटारा, मनोरंजन ढेर सारा

लेखनः शंकर
चित्रांकनः सुबीर रॉय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-223-0
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

cpkjk fjcu

माला का पसंदीदा रिबन उसके जन्मदिन पर खो जाता है। फिर वह उसके पास वापस कैसे पहुंच जाता है?

लेखनः सुकुमार शंकर
चित्रांकनः सुबीर रॉय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-349-9
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ckuk dky

कालू गधे से मुन्ना बहुत प्रेम करता है। पिताजी उसे बेचना चाहते थे। मुन्ना पिताजी को कैसे समझाता है?

लेखनः रूपा गुप्ता
चित्रांकनः बी.जी. वर्मा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, द्विरंगी
ISBN 81-7011-210-9

egkfxjh

महागिरी इतना विशालकाय हाथी है कि बच्चों उसके पास जाते हुए डरते हैं। जब देखते हैं कि वह तो बिल्ली को भी नुकसान नहीं पहुंचाता है, तो सबका प्रिय बन जाता है।

लेखनः हेमलता
चित्रांकनः पुलक विश्वास
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-009-2
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

feLVj fpadh

नटखट चूहा चिंकी दिल्ली के डाकघर से लंदन पहुंच जाता है। फिर वह वापस दिल्ली कैसे लौटता है?

लेखनः जे.सी. मेहता
चित्रांकनः बी.जी. वर्मा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-531-0

e vkj ejh eNfy;k

मछली बनकर मज़ा आता है! फिर भी बाहरी दुनिया की ऐसी कुछ चीज़ है जिसके बिना आप नहीं रह सकते हो।

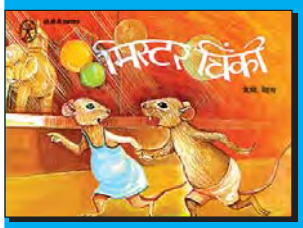

चित्र पुस्तकें

लेखन: कल्याणी राजन
चित्रांकन: पृथ्वीश्वर गायेन
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 16, बहुरंगी
ISBN 978-81-89750-24-4
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

e| g| ckbV

एक सिक्के की कहानी है जो टकसाल से निकल कर वहां पहुंचता है जहां उसकी सबसे ज़्यादा कद्र होती है।
लेखन: रंगीन सिंह
चित्रांकन: अंकुर मित्रा
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-28-4
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

e|N| rku| igp| Fkku|

हाथी, प्यारे–प्यारे साथी, तारे, कोयल, बिस्कुट के पेड़, बस्ता, आदि मनोरंजक कविताओं का अनूठा संग्रह।
चित्रांकन: अजंता गुहाठाकुरता
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-802-6

e|[kk| dk Lox|

इसमें निहित 12 कहानियां ऐसे मूर्ख लोगों की हैं जिन्हें समझ नहीं आता कि उनका उपहास उड़ाया जा रहा है।
लेखन: शंकर
चित्रांकन: रेवती भूषण
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 24, द्विरंगी
ISBN 81-7011-345-8
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

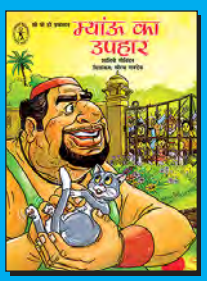

E;kÅ dk migkj

क्या ऐसा विशालकाय आदमी, जिससे सबको डर लगता हो, एकदम दयालु और मित्रवत हो सकता है? आज़म का यह सच्चा रूप गांववालों के सामने कैसे आया?
लेखन: शांतिनी गोविंदन
चित्रांकन: सौरभ पाण्डेय
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-18-5
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

jktk dh e|N|

राजा को अपनी घुमावदार मूंछें बहुत अच्छी लगती हैं। तब क्या होता है जब वह मूंछें सीधी उगने लगती हैं।

लेखन: आशा नेहेमिया
चित्रांकन: बी. जी. वर्मा
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-868-9
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

jktdekjh eLdku dh tych eLdku

राजकुमारी की जलेबी मुस्कान, तीन उदास रहने वाले भाइयों को नया जीवन देती है। कैसे वे मुस्कान सब में बांटते हैं?

लेखन: कमलेश मोहिंद्रा
चित्रांकन: अंकुर मित्रा
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-10-9
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

jkTkk

रोज़ा और उसके दोस्त एक पहाड़ी पर स्थित गुफा में पिकनिक मनाने जाते हैं। अचानक वहां एक सांप आ जाता है।

लेखन: अलका शंकर
चित्रांकन: उदय शंकर
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-34-5
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

jx&fcjx xhr

मेंढ़क मामा, कबूतरों की जेल, टिल्लू यार, बक बक, रसगुल्ला, जैसे मनोरंजक गीत इसमें निहित हैं।

चित्रांकन: मृणाल मित्र
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-326-1
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ykyh dk jkekpd lQj

लाली टमाटर सोचती है कि खेत से तोड़े जाने के बाद उसका क्या होगा? क्या उसकी उत्सुकता शांत हो पाती है?

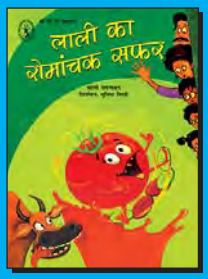

लेखन: भारती जगन्नाथन
चित्रांकन: सुविधा मिस्त्री
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-13-0
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

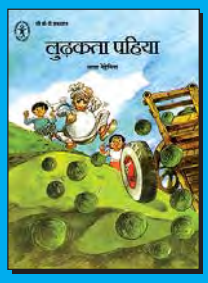

y<drk ifg;k

रामू और कमला अपने पिता के ट्रैक्टर में सर्कस देखने जाते हैं। पहिया पंक्चर हो जाता है और वह लुढ़कता जाता है।

लेखनः आशा नेहेमिया
चित्रांकनः सुबीर रॉय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-857-3
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

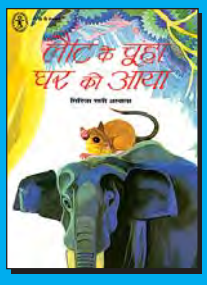

ykV d pgk ?kj dk vk;k

आप दूसरों के विचारों व गुणों को तो अपना आदर्श बना सकते हैं, पर किसी और जैसा शरीर पाना कैसे संभव है?

लेखनः गिरिजा रानी अस्थाना
चित्रांकनः सुरेन्द्र सुमन
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-816-6
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

o{kjkt

कल्लू लकड़हारा वृक्षराज को काटना चाहता था। इस पेड़ के आश्रित पशु–पक्षियों ने कैसे इसे कटने से बचाया?

लेखनः दीपिका जैदका
चित्रांकनः बिंदुलिका शर्मा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-715-1

fo'okl dh thr

ममानी और मोएना, दोनों अपनी गन्ने की फसल की देखभाल करते हैं। उन हाथियों का क्या जो वहां घूमते रहते हैं?

लेखनः मित्र फुकन
चित्रांकनः सुजशा दासगुप्त
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-353-9
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

'kkck'k deyk!

कमला अपने भाई खोकुन की देखभाल करने के अलावा घर के सारे काम करती है। बागान में लगे आम के पेड़ों पर भी चढ़ कर फल तोड़ लाती है। फिर एक दिन क्या हो जाता है?

लेखनः अलका शंकर
चित्रांकनः संजय सरकार

पुस्तकों का पिटारा, मनोरंजन ढेर सारा

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-80076-46-1
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

le> dk Qj

नन्हे–मुन्नों के लिए पुनः लिखी गई पंचतंत्र की कहानी।
लेखनः शंकर
चित्रांकनः जगदीश जोशी
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-250-8
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

lkglh rkjk

घर का कामकाज करने वाली तारा अपने दादाजी की खूब सेवा करती है। दादाजी की बीमारी में कैसे चलता है घर?
लेखनः सिगरून श्रीवास्तव
चित्रांकनः वन्दना जोशी
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-365-2

lwjt dk :eky

बारिश के एक दिन, सूरज को जुकाम हो जाता है। आंटी फ्लोरा उसके लिए इंद्रधनुष के सात रंगों वाला एक सुंदर रूमाल बनाती हैं।
लेखनः तरूण चेरियन
चित्रांकनः अजंता गुहाठाकुरता
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-81-89750-25-1
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

LoPN ?kkalyk vfHk;ku

स्वच्छ भारत अभियान से प्रेरित होकर इंस्पेक्टर उल्लू, पार्क में इस अभियान को चलाने का निर्णय लेते हैं। कौन बनता है विजेता?
लेखनः प्रतिभा नाथ
चित्रांकनः अंकुर मित्रा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-45-1
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

gle[k fctdk

खेत में खड़े पक्षियों को डराने वाले बिजूका, रैग्स से कोई पशु–पक्षी भय नहीं खाता। विस्कर चूहा क्या करता है?

चित्र पुस्तकें

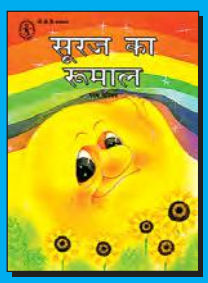

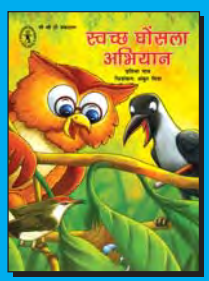

लेखनः जीन ऐ. मोदी
चित्रांकनः जगदीश जोशी
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, द्विरंगी
ISBN 81-7011-185-4

gkFkh ?kkMk ikydh
चिड़ियाघर के पशु–पक्षी, सरकस के जोकर–हाथी और मुर्गे के अखबार पर चुलबुलाती कविताएं।
लेखनः प्रेम किशोर पटाखा
चित्रांकनः सुरिन्दर पाल सिंह
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-686-4

gkih
हॉपी मेंढक कुंए में रहते हुए बहुत खुश व संतुष्ट था। एक दिन सुंदरम द्वारा कुंए में डाली गई बालटी में चढ़ कर वह बाहर की दुनिया में पहुंच जाता है।
लेखनः वनश्री
चित्रांकनः सौरभ पाण्डेय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-09-3
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

Jherh Åuokyk dk vthc LoVj
श्रीमती ऊनवाला का स्वेटर बुनने का शौक उन्हें किस तरह उलझाता है! फिर कैसे उनके स्वेटरों की मांग होने लगती है!
लेखनः आशा नेहेमिया
चित्रांकनः सुबीर रॉय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-89750-27-5
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

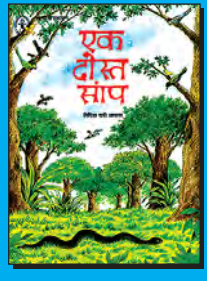

jhM&vykmM fdrkc
i<u dh vyx&vyx {kerkvk oky cPpk e i<u dk çfr fnypLih tkxr dju dk fy, cuh bl ox dh iLrdk e dgkuh ;k dkYifud :i e 'kCn T;knk gkr g vkj budh fo"k;&oLr mUg lkpu&fopkju dk volj nrh gA

,d nkLr lki
जंगल के एक वृक्ष की जड़ों में जब एक सांप ने बिल बनाया तो चिड़ियां बहुत डर गईं। सांप ने कैसे उन सबसे दोस्ती की?

लेखनः गिरिजा रानी अस्थाना
चित्रांकनः क्षितीश चटर्जी
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-684-8

fdydkjh

बिल्ली–चूहे की शादी, स्कूल में पहुंचे बंदर, लट्टू व टट्टू की टक्कर और तोता–मैना की बातें। यह हँसाने–गुदगुदाने वाली बाल–कविताओं का संग्रह है।

रचनाः रमेश द्विवेदी
चित्रांकनः सुरेन्द्र सुमन
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-911-1

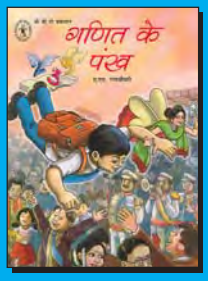

xf.kr d i[k

शुभंकर को गणित का विषय किसी चुनौती से कम नहीं लगता था। नानी का चश्मा पहनकर आखिर ऐसा क्या हुआ कि उसे अपना सपना सच होता दिखाई देने लगा।

लेखनः ए.एस. राय चौधरी
चित्रांकनः सौरभ पाण्डेय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 32, बहुरंगी
ISBN 978-93-80076-69-0
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

xkSjSk vkSj vU; dgkfu;k

अगस्त 2012 को आरंभ किए गए भारत के विशालतम संरक्षण आंदोलन 'गौरैया बचाओ' का कीर्तिगान करने के लिए इस संग्रह को छापा गया है। इसमें सम्मिलित पक्षियों की तीन कहानियां इस उद्देश्य से लिखी गई हैं ताकि बच्चों को समझ आ जाए कि हमारे पर्यावरण के लिए पक्षी कितने महत्वपूर्ण हैं।

चित्रांकनः संजय सरकार
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 56, बहुरंगी
ISBN 978-93-80076-85-0
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

pVjiVj dh Nykx

चुटरपुटर चूहा, कठफोड़वा चिड़िया, गिलहरियां–टिनी और बुलबुल, उपकार का बदला चुकाने वाली चींटी और मुनमुन, आदि। इन सभी छह चित्र–कथाओं में यह दर्शाया गया है।

चित्रांकनः चित्रकला वर्मा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 48, बहुरंगी
ISBN 81-7011-774-7

पुस्तकों का पिटारा, मनोरंजन ढेर सारा

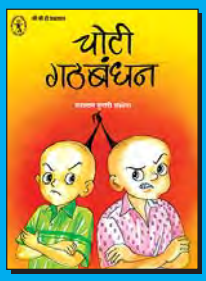

pkVh xBc/ku

कक्षा में मज़ेदार घटना घटी। एक की चोटी बढ़ी तो एक की चोटी कटी। हास्य–मनोरंजन से परिपूर्ण रचना।

लेखनः घनश्याम मुरारी सक्सेना
चित्रांकनः विकी आर्य
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 32, बहुरंगी
ISBN 81-7011-794-1

fVLdk vk'p;ykd e

माता–पिता से नाराज़ और नैनी से त्रस्त, नन्ही टिस्का जंगल में एक चिड़िया के पीछे बहुत दूर निकल आती है। उसकी मुलाकात एक बौने से होती है जो उसे अपने 'हैप्पी लैंड' में ले जाता है। क्या टिस्का घर वापस लौट पाएगी?

लेखनः इवा बेल
चित्रांकनः अंकुर मित्रा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 32, बहुरंगी
ISBN 978-93-80076-88-1
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

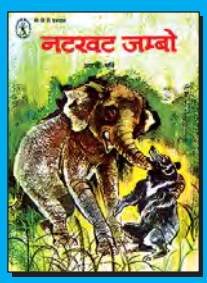

uV[kV tEck

जंगल का हर जानवर जम्बो हाथी से परेशान था। लेकिन जब जानवर इकट्ठे होकर एक चींटी से जम्बो को पाठ पढ़ाने की सोचते हैं, तब क्या होता है?

लेखनः आर.के. मूर्ति
चित्रांकनः जगदीश जोशी
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, द्विरंगी
ISBN 81-7011-238-9
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

uV[kV cnj o ,d vkj dgkuh

दो कहानियां–एक में बंदर पेड़ के तने के बीच में फंसे लकड़ी के टुकड़े को खींचने की कोशिश में कैसे अपनी पूंछ उसमें फंसा लेता है और दूसरी में एक बकरी अपनी बुद्धिमत्ता से गीदड़ों से अपने झुंड की रक्षा कैसे करती है।

लेखनः शंकर
चित्रांकनः रेवती भूषण
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, द्विरंगी
ISBN 81-7011-328-8
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

uV[kV cfN;k

एक नटखट, नन्हा बछड़ा यह साबित कर देता है कि वह विली भेड़िए से कहीं अधिक चतुर है।

लेखनः हेमलता

पुस्तकों का पिटारा, मनोरंजन ढेर सारा

चित्रांकनः रेवती भूषण
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 81-7011-014-9
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ufugky e xTkj fnu

केरल में रहने वाले एक बच्चे के अद्‌भुत कारनामे।
लेखन व चित्रांकनः शंकर
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 48, द्विरंगी
ISBN 81-7011-015-7
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

fQj D;k gqvk---

एक पुस्तक में चार कहानियां! एक चूज़ा खो जाता है... एक हुदहुद एक प्रवासी आगंतुक का मुकाबला करता है... एक नाई जानवरों की कैसे दाढ़ी बनाता है... आदि।
लेखनः प्रतिभा नाथ और इंदिरा अनंतकृष्णन
चित्रांकनः जगदीश जोशी
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 96, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 81-89750-04-6
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

catkjk fgy d cPpk

दो भाइयों के कारनामे ही इस पुस्तक की कथावस्तु है।
लेखनः मणिक्या मीणा
चित्रांकनः नीता गंगोपाध्याय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 48, बहुरंगी
ISBN 978-81-89750-28-2
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

fHk[kkjh jkt k

जंगल में राजा के रास्ता भटक जाने पर गरीब किसान उसकी देखभाल करता है। जब किसान राजा के पास मदद मांगने जाता है तो पाता है कि राजा उससे भी बड़ा भिखारी है!
लेखनः के. शिवकुमार
चित्रांकनः शंकर
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 16, द्विरंगी
ISBN 81-7011-010-6
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ekLVj lkgc

सख्त स्वभाव के मास्टर साहब अपने शरारती छात्र निहाल को सूझबूझ से कैसे सही राह पर ले आते हैं।

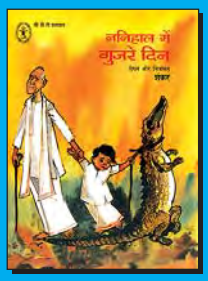

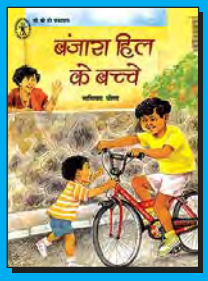

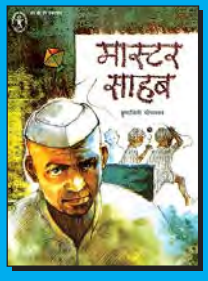

चित्र पुस्तकें

लेखन: मृणालिनी श्रीवास्तव
चित्रांकन: अजंता गुहाठाकुरता
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 40, द्विरंगी
ISBN 81-7011-841-7

fe= dh ij[k

राजा सिंह जानना चाहता था कि कौन वास्तव में उसका सच्चा मित्र है। उसने इसका कैसे पता लगाया?
पुनर्कथन: शंकर
चित्रांकन: रेवती भूषण
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-007-6

yM+dh] Mªxu vkSj pwgs

ड्रैगन के पास आग है इसलिए वे सोचते हैं कि वे दुनिया को जीत सकते हैं। माइस फेडेरेशन का नन्हा चूहा उनके सारे प्रयासों को विफल कर देता है। दमयंती, जो बिना सांस लिए जीवित रह सकती है, ड्रैगन की मदद करती है, जबकि ड्रैगन बिल्लियों के साथ एक संधि कर लेते हैं!
लेखन: रोहिणी मुथुस्वामी
चित्रांकन: अंकुर मित्रा
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 32, बहुरंगी
ISBN 978-93-80076-71-3
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ykSV ds cq)w ?kj dks vk;s

यह कहानी एक बुद्धू बच्चे की है। पर एक दिन यही बुद्धू 'अकलमंदजी' बनकर कक्षा के छात्रों पर रोब गांठता है।
लेखन: सरोजिनी प्रीतम
चित्रांकन: विकी आर्य
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 32, द्विरंगी
ISBN 81-7011-515-9

lqugjk fgju

यह कहानी जातक कथाओं से ली गई है जो उदाहरण द्वारा बुद्ध की शिक्षाओं को चित्रित करती है। हिरन एक डूबते हुए व्यक्ति को बचाता है, पर वह उसके साथ कैसे विश्वासघात करता है। इसी पर यह कहानी आधारित है।
लेखन: शंकर
चित्रांकन: जगदीश जोशी
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 24, बहुरंगी
ISBN 81-7011-233-8
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

miU;kl

i<u e: :fp j[ku okyh ikBdk d fy, dFkkud] fLFkfr o ik=k l ;Dr gk bl ox dh fdrkcA lrdl fd'kkj ;gk e[; uk;d g] tk cgknjh l ipkhnk fLFkfr;k dk edkcyk djr gA

vijkftrk

झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की हृदय को छू लेने वाली यह एक मार्मिक कहानी है।

लेखन: कमला शर्मा

चित्रांकन: शैवाल चैटर्जी

5½"×8½", पृष्ठ संख्या: 88, एकरंगी

ISBN 81-7011-481-0

vuk[kk migkj

साधु ने बकुल को एक भोजपत्र दिया। क्यों सब इसे बकुल से छीनना चाहते थे?

लेखन: कमला चमोला

चित्रांकन: विकी आर्य

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 56, द्विरंगी

ISBN 81-7011-629-5

vuk[k fj'r

मैना एक बालक से सच्ची दोस्ती करती है। उधर बच्चे शिकारियों को पकड़वा कर जंगल के जानवरों के प्रति अपना प्यार दिखाते हैं। मनुष्य और पशु–पक्षियों के बीच के रिश्ते को दर्शाने वाली दो कहानियां।

लेखन: जयंत खानवलकर और प्रेरणा नारायण

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 24, बहुरंगी

ISBN 81-7011-927-8

vEek dk ifjokj

बंदरों की उछल–कूद, मुर्गियों की शैतानी, उल्लू की शरारत, हिरन की मस्ती, चिड़िया का फुदकना, गाय का भोलापन–नहीं, यह जंगल नहीं है। यह तो एक स्नेह और ममता से भरपूर, प्यार लुटाता अम्मा का परिवार है।

लेखन: सरोज मुखर्जी

चित्रांकन: प्रमोद कुमार

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 64, द्विरंगी

ISBN 81-7011-626-0

bulku dk cVk

इनसान अपनी बुद्धि से सभी पर विजय पा सकता है। इसी प्रयास को दर्शाती है यह पुस्तक।

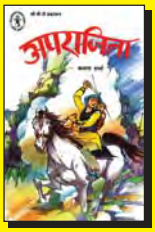

उपन्यास

लेखन: अलका पाठक
चित्रांकन: बी.जी. वर्मा
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 32, बहुरंगी
ISBN 81-7011-828-X

b'kk dk lalkj

ईशा और उसके मित्रों की समस्या है कि वे छुट्टियों में समय कैसे बिताएं। कैसे सुलझी यह समस्या?
लेखन: कांता एस. पाल
चित्रांकन: सुरेन्द्र सुमन
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 40, बहुरंगी
ISBN 81-7011-747-X

xteqDrk dh ryk'k

अंग्रेज़ दुर्लभ मोती 'गजमुक्ता' पाने के लिए क्या–क्या करते हैं? अंग्रेज़ों–हिंदुस्तानियों के संघर्ष की कहानी।
लेखन: इरा सक्सैना
चित्रांकन: सुरेन्द्र सुमन
5½"×8½", पृष्ठ संख्या: 104, एकरंगी
ISBN 81-7011-870-0

xqMMh

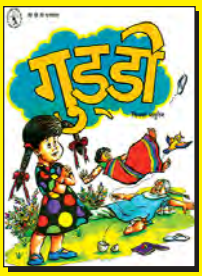

अपनी मां के काम में मदद करने की कोशिश करती गुड्डी से क्या कुछ उल्टा–पुल्टा हो जाता है?
लेखन: विजया वासुदेव
चित्रांकन: पृथ्वीश्वर गायेन
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 48, बहुरंगी
ISBN 81-7011-746-1

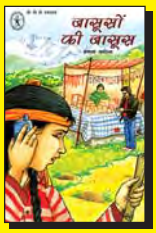

tklwlksa dh tklwl

एक लड़की के वैद्य पिता का अपहरण पड़ोसी देश के जासूस कर लेते हैं। कैसे वह अपने पिता को ढूंढती है?
लेखन: कमला चमोला
चित्रांकन: अंकुर मित्रा
5½"×8½", पृष्ठ संख्या: 112, एकरंगी
ISBN 81-7011-990-1

ryk'k

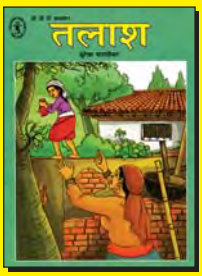

अपने बाबा की तलाश में लंबी यात्रा पर निकली पार्वती को हर कदम पर नए खतरे का सामना करना पड़ता है। निडरता से सारी बाधाओं को दूर कर क्या वह अपने बाबा तक पहुंच पाई?
लेखन: सुरेखा पाणंदीकर
चित्रांकन: सौरभ पाण्डेय

उपन्यास

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 48, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-37-6

fnYyh l IyVk

नितिन अपने मम्मी–पापा के साथ एक ऐसी दुनिया में रहता है जिसमें हर चीज़ रिमोट से चलती है। उसे इस दुनिया में रोज़ नए अनुभव तो होते ही हैं, साथ ही उसे चांद और प्लूटो पर जाने का मौका भी मिलता है।

लेखनः हरीश कुमार 'अमित'
चित्रांकनः सौरभ पाण्डेय
5½"×8½", पृष्ठ संख्याः 64, एकरंगी
ISBN 978-93-80076-75-1

ikp tkl l

बच्चों की सीक्रेट सोसाइटी के हैरान कर देने वाले कारनामे।

लेखनः शकुन्तला वर्मा
चित्रांकनः बी.जी. वर्मा
5½"×8½", पृष्ठ संख्याः 120, एकरंगी
ISBN 81-7011-749-6

ikjl iRFkj

अपने इकलौते पोते रवि की उद्दण्डता एवं गुस्से की आदतों से दादा–दादी परेशान थे। एक दिन बाज़ार में उनकी अपने स्वर्गीय बेटे के अध्यापक देवकांत से भेंट होती है। देवकांत जी की संगति में रवि में क्या परिवर्तन आते हैं?

लेखनः उषा यादव
आवरणः सुबीर रॉय
5½"×8½", पृष्ठ संख्याः 88, एकरंगी
ISBN 81-7011-451-9

euekth ekekth

गौरव और संजू के मामाजी अपनी कार पारो के संग की हरकतों से हर पल बच्चों को गुदगुदाते हैं।

लेखनः इरा सक्सैना
चित्रांकनः वंदना जोशी
5½"×8½", पृष्ठ संख्याः 72, एकरंगी
ISBN 81-7011-514-0

ykg d vkl

कुश गुब्बारे में बैठे–बैठे जल प्रदेश में जा पहुंचता है। वहां पहुंच कर उसे पता चलता है उस दुनिया में केवल जल प्रदेश ही नहीं, वायु प्रदेश और लौह प्रदेश भी हैं। लौह प्रदेश के लौह सैनिकों को परास्त करने के लिए वह किस तरह से वायु और जल प्रदेश के राजाओं की

सहायता करता है?
लेखन: सेवा नंदवाल
चित्रांकन: अंकुर मित्रा
5½"×8½", पृष्ठ संख्या: 88, एकरंगी
ISBN 978-93-80076-74-4

lqy>rh dfM;k&4 jgL;e; miU;kl

इस पुस्तक में लीजिए चार रहस्य और रोमांच से भरे उपन्यासों का मज़ा।
विभिन्न लेखक
आवरण: सौरभ पाण्डेय
5½"×8½", पृष्ठ संख्या: 384, एकरंगी, सजिल्द
ISBN 978-93-84699-29-1

,frgkfld

Hkkjrh; bfrgkl dh ?kVukvksa ij vk/kkfjr okLrfod ;k dkYifud dgkfu;kaA

,sfrgkfld xkFkk,a

इतिहास दिलचस्प बन जाता है जब हम कहानियों से यह जानते हैं कि लोगों ने क्या किया, और कैसे किया।
लेखन: ए.के. घोष
चित्रांकन: देवब्रत मुखर्जी
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 64, द्विरंगी
ISBN 81-7011-062-9
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ukVd

eap lTtk] n`';ka dk cnyuk] ik=ksa }kjk igus tkus oky ifj/kkuksa vkfn dk foLr`r <x ls çLrqr djus okys ;s ukVd 9 ls 12 o"kZ ds vk;q oxZ ds cPpksa }kjk eapr fd, tk ldrs gSaA

ihiyokyh Hkkr vkSj vU; ukVd

हास–परिहास, जानकारी और पर्यावरण के प्रति जागरूकता पर केंद्रित पांच नाटक इस संग्रह में सम्मिलित हैं।
चित्रांकन: सुरेन्द्र सुमन
5½"×8½", पृष्ठ संख्या: 72, एकरंगी
ISBN 81-7011-905-7

ikSjkf.kd dFkk,a

;g ,slk dkykrhr] ikjaifjd lkfgR; gS ftls nfu;k Hkj ds cPpsialn djrs gSaA bl oxZ dks

Hkkjrh; ykd dFkkvk o Hkkjrh; ikjifjd dFkkvk e oxhÑr fd;k x;k gA

ykd dFk,

,d ih<h l nljh ih<h dk lkih tku okyh bl ox dh dgkfu;k] Hkkjr d fdlh ,d jkT; ;k çn'k l lcf/kr gA e[;r;k] çn'k e çpfyr vk[;kuk ij vk/kkfjr ; dgkfu;k ml çkr o mld ykxk dh lLÑfr dk n'kkrh gA

vk/k çn'k dh ykd dFk,

'चावल का कटोरा' नाम से प्रसिद्ध आंध्र प्रदेश एक सुंदर राज्य है। वहां के निवासी बहुत मेहनती हैं और ये कहानियां उनकी विशेषताओं को चित्रित करती हैं।

लेखन: गीता आयंगर
चित्रांकन: प्रिया नागराजन
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 92, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 978-93-80076-41-6
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

mMhlk dh ykd dFk,

इस संग्रह की कहानियां उड़ीसा के लोगों की सोच व जीवन को प्रस्तुत करती हैं।

लेखन: रमेन्द्र कुमार
चित्रांकन: सौरभ पाण्डेय
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 104, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 978-93-80076-45-4
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

mÙkjk[kM dh ykd dFk,

बर्फ से ढका हिमालय, फूलों की घाटी वाले उत्तराखंड के लोगों को अपने परिवेश पर गर्व है। ये कहानियां मानव और प्रकृति के संबंध को चित्रित करती हैं।

लेखन: दीपा अग्रवाल
चित्रांकन: सुबीर रॉय
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 120, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 978-93-80076-30-0
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

if'pe cxky dh ykd dFk,

इन लोक कथाओं को चार वर्गों में बांटा गया है: प्यार और रोमांच, पशु व पक्षी; परंपराएं व रिवाज़, तथा हास्य विनोद। ये 16 कहानियां पाठकों को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य व उसके लोगों के बारे में अवगत कराती हैं।

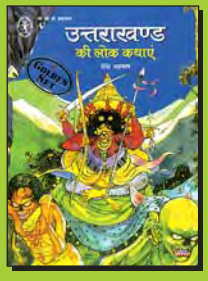

लेखनः स्वप्ना दत्ता
चित्रांकनः नीता गंगोपाध्याय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 104, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 978-93-80076-33-1
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

çfl) ykd dFkk,¡

चार कहानियां जो आपको गुदगुदाए बिना नहीं रहेंगी।

लेखनः शंकर
चित्रांकनः शंकर, पी.एस. राव, रेवती भूषण
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 104, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 81-7011-991-X
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

Hkkjr dh ykd dFkk,¡

राजाओं की कहानियां–कुछ अभिमानी, कुछ विनम्र; जादुई ताकतों वाली दयालु रानी; मददगार भूत; और मूर्ख लोगों की कहानियां। भारत की लोक कथाएं इस पुस्तक में समाहित हैं।

चित्रांकनः पृथ्वीश्वर गायेन
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 128, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 81-7011-886-7
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

Hkkjr dh dgkfu;k¡

भगवान और राक्षस, राजकुमार और राजकुमारियां, मित्र व शत्रु–ये सारे इन कहानियों में नज़र आएंगे।

लेखनः मृणालिनी साराभाई
चित्रांकनः सुबीर रॉय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 80, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 81-7011-832-8
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

fo'o dh ykd dFkk,¡

एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को सौंपी गईं ये कथाएं, देश–विदेश की संस्कृति व विरासत का परिचय देती हैं।

लेखनः प्रतिभा नाथ
चित्रांकनः सुबीर रॉय, सौरभ पाण्डेय, संजय सरकार और अंकुर मित्रा
रूपरेखाः अंकुर मित्रा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 128, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 978-93-80076-57-7
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

पुस्तकों का पिटारा, मनोरंजन ढेर सारा

fgekpy çns'k dh yksd dFkk,a

अपनी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध हिमाचल प्रदेश के लोगों व जीवन शैली को उकेरती हैं इस संग्रह में सम्मिलित कहानियां।

लेखन: प्रतिभा नाथ
चित्रांकन: अमित जॉन
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 104, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 978-93-80076-42-3
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ikjifjd dFkk,a

,d&nl j dk ihf<;k l l ukbl tk jgh bl oxl dh dgkfu;k ikjifjd ekU;rkvk vkj fjoktk d bnl&fxnl ?kerh gA

vej dFkk,a

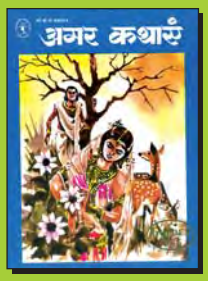

संस्कृत साहित्य और भारतीय महाकाव्य में रोमांटिक कहानियों का प्रचुर भंडार है। इस पुस्तक में शकुंतला, मालती माधव, नल दमयंती और चित्रांगदा की कहानियां निहित हैं।

चित्रांकन: जगदीश जोशी
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 168, द्विरंगी, सजिल्द
ISBN 81-7011-246-X
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

Ñ".k lqnkek

राजा बनने के बाद भी कृष्ण बचपन के मित्र सुदामा को नहीं भूले। बचपन की दोस्ती की यह अद्भुत गाथा है।

लेखन: के. शिवकुमार
चित्रांकन: एम. एल. दत्त गुप्ता
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 24, द्विरंगी
ISBN 81-7011-050-5
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

xksiky HkkM

'बंगाल के बीरबल' के नाम से प्रसिद्ध, गोपाल, जाति से नाई थे। कृष्णानगर के महाराज कृष्ण चंद्र के दरबार में उन्होंने दरबारी विदूषक की पदवी हासिल की। हँसाने, गुदगुदाने वाली कहानियों का संग्रह।

लेखन: आचार्य परमहंस प्रमोद
चित्रांकन: प्रमोद कुमार
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 64, द्विरंगी
ISBN 81-7011-532-0
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

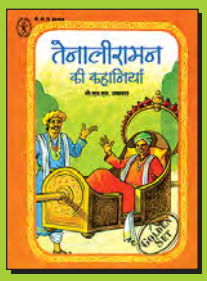

rukyhjkeu dh dgkfu;k

तेनालीरामन अपनी विद्वता के लिए प्रसिद्ध थे। वह राजा कृष्ण देवारया के प्रिय कवि थे। इस पुस्तक में निहित 20 कहानियां मनोरंजन से भरपूर हैं।

लेखनः सी.एल.एल. जयाप्रदा
चित्रांकनः पृथ्वीश्वर गायेन
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 72, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 81-7011-95-1-0
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

nknh ek dh dgkfu;k

इस संग्रह की 10 मूल्यपरक कहानियां भारत की समृद्ध परंपरा को चित्रित करती हैं।

लेखनः विभिन्न लेखक
चित्रांकनः अंकुर मित्रा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 88, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 978-93-84699-38-3
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

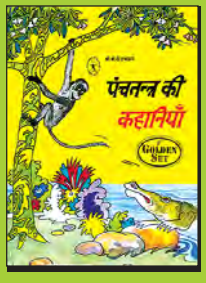

ipr= dh dgkfu;k

इस पुस्तक में पंचतंत्र से ली गईं 28 कहानियां निहित हैं।

लेखनः शिवकुमार
चित्रांकनः अनिल व्यास
8"×10", पृष्ठ संख्याः 160, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 81-7011-231-1
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ipr= dh dgkfu;k&1

पुनर्कथनः शिवकुमार
चित्रांकनः पुलक विश्वास
8"×10", पृष्ठ संख्याः 64, द्विरंगी
ISBN 81-7011-012-2
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ipr= dh dgkfu;k&2

पुनर्कथनः शिवकुमार
चित्रांकनः रेवती भूषण
8"×10", पृष्ठ संख्याः 56, द्विरंगी
ISBN 81-7011-033-5
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ipr= dh dgkfu;k&3

पुनर्कथनः शिवकुमार
चित्रांकनः देवव्रत मुकर्जी

पुस्तकों का पिटारा, मनोरंजन ढेर सारा

पौराणिक कथाएं

8"×10", पृष्ठ संख्याः 64, द्विरंगी
ISBN 81-7011-058-0
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ipr= dh dgkfu;k&4

पुनर्कथनः शिवकुमार
चित्रांकनः पुलक विश्वास
8"×10", पृष्ठ संख्याः 64, द्विरंगी
ISBN 81-7011-090-0
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ikjkf.kd dgkfu;k

सत्य की जीत होती है और बुराई को दंड मिलता है; नायक विजयी होता है और खलनायक का नाश हो जाता है। इन कहानियों में ऐसी नीतिगत बातें हैं जो सदा कायम रहती हैं।
पुनर्कथनः सावित्री
चित्रांकनः पुलक विश्वास और सुकुमार चैटर्जी
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 156, द्विरंगी, सजिल्द
ISBN 81-7011-835-2
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ikjkf.kd dgkfu;k&1

पुनर्कथनः सावित्री
चित्रांकनः पुलक विश्वास
8"×10", पृष्ठ संख्याः 64, द्विरंगी
ISBN 81-7011-016-5
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ikjkf.kd dgkfu;k&2

पुनर्कथनः सावित्री
चित्रांकनः पुलक विश्वास
8"×10", पृष्ठ संख्याः 64, द्विरंगी
ISBN 81-7011-034-3
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ikjkf.kd dgkfu;k&3

पुनर्कथनः सावित्री
चित्रांकनः सुकुमार चैटर्जी
8"×10", पृष्ठ संख्याः 52, द्विरंगी
ISBN 81-7011-170-6
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

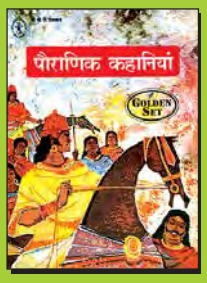

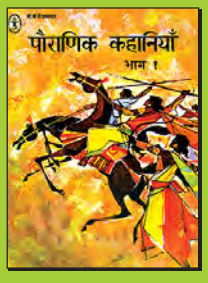

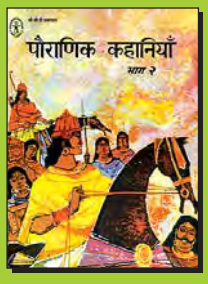

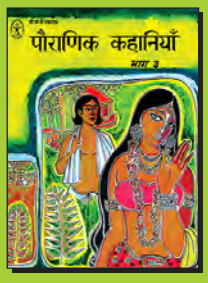

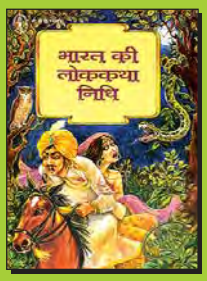

Hkkjr dh ykd dFkk fuf/k

बार–बार कही–सुनी लोक कथाएं, साहस के कारनामे, बुद्धि व चतुराई की कहानियां...सहेज कर रखने वाली पुस्तक है यह!

लेखनः शंकर

चित्रांकनः नीता गंगोपाध्याय

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 204, बहुरंगी, सजिल्द

ISBN 81-7011-771-2

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

Hkkjr dh ykd dFkk fuf/k Hkkx&1

अच्छी कथाएं मूल्यवान वस्तुओं की तरह होती हैं और मूल्यवान वस्तुओं को सुरक्षित जगह ही रखा जाता है। ऐसी सुरक्षित जगह 'निधि' कहलाती है। यह पुस्तक भी लोक कथाओं की निधि है।

लेखकः शंकर

चित्रांकनः देवब्रत मुकर्जी

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 104, द्विरंगी

ISBN 81-7011-053-X

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

Hkkjr dh ykd dFkk fuf/k Hkkx&2

लेखकः शंकर

चित्रांकनः अनिल व्यास

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 104, द्विरंगी

ISBN 81-7011-098-X

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

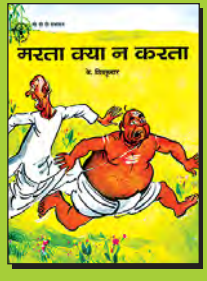

ejrk D;k u djrk

लक्ष्मी को अपने पति का मेहमानों का घर लाना पसंद नहीं था। लेकिन उसका पति तो उसके विपरीत था। लक्ष्मी कैसे इन बिन बुलाए मेहमानों की आवभगत करती है?

लेखनः के. शिवकुमार

चित्रांकनः शंकर

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 12, बहुरंगी

ISBN 81-7011-011-4

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

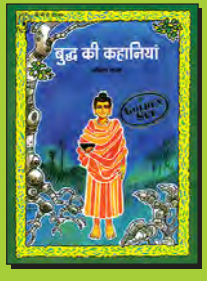

c) dh dgkfu;k

बुद्ध का अर्थ है प्रबुद्ध। साक्या राजकुमार ने पूरी तरह से अपने जीवन का त्याग नहीं किया था, वरन संयम के मध्यम मार्ग को अपनाते हुए उस पर लौट आए थे। बुद्ध के जन्म से लेकर उनके निर्वाण प्राप्त करने तक की 24 कहानियों का संग्रह।

पुस्तकों का पिटारा, मनोरंजन ढेर सारा

लेखनः अनीता खन्ना
चित्रांकनः तापस गुहा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 80, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 81-7011-949-9
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

dgkuh lxg

bu lxgk e fufgr dgkfu;k cPpk d thou d vyx&vyx igyvk l lcf/kr g&ekrk&firk] ?kj] Hkkb] cgu] Ldy] v/;kid] fe=] ikyr i'k vkfnA

16 dgkfu;k

विभिन्न लेखक
चित्रांकनः सुरेन्द्र सुमन
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 136, एकरंगी, सजिल्द
ISBN 81-7011-942-1
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

22 dgkfu;k

विभिन्न लेखक
चित्रांकनः तापस गुहा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 152, एकरंगी, सजिल्द
ISBN 81-7011-915-4
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

dN vkj dgkfu;k

विभिन्न लेखक
चित्रांकनः जगदीश जोशी
5½"×8½", पृष्ठ संख्याः 112, एकरंगी
ISBN 81-7011-356-7
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

cPpk dh dgkfu;k

विभिन्न लेखक
चित्रांकनः सुबीर रॉय एवं गीता वर्मा
5½"×8½", पृष्ठ संख्याः 112, एकरंगी
ISBN 81-7011-315-6

ch l vkj dgkfu;k

विभिन्न लेखक
चित्रांकनः टी.वी. मंदरावनन
आवरणः सुरेन्द्र सिंह राठौर
5½"×8½", पृष्ठ संख्याः 136, एकरंगी

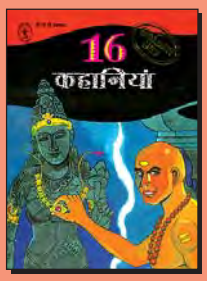

ISBN 81-7011-388-1
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

24 dgkfu;k
हँसी और आंसू, नम्रता और क्रूरता, परिश्रमी और आलसी, साहस व कायरता, ज्ञान व अज्ञानता, सब कुछ इस संग्रह की कहानियों में निहित है।
विभिन्न लेखक
चित्रांकन: सुबीर रॉय
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 152, एकरंगी, सजिल्द
ISBN 81-7011-795-X
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

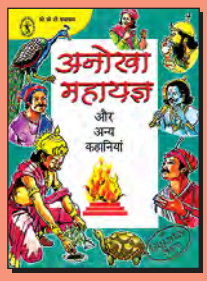

vuk[kk egk;K vkj vU; dgkfu;k
हँसी की फुहार, पर्यावरण–प्रेम, मित्रता के महत्त्व, रानी के साहस... आदि की अनूठी कहानियां।
विभिन्न लेखक
चित्रांकन: सौरभ पाण्डेय
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 72, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 81-89750-59-3

dFkk–d¦t &34 dgkfu;k
बच्चों की विभिन्न मनोस्थितियों को चित्रित करती कहानियां।
विभिन्न लेखक
चित्रांकन: तापस गुहा
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 248, एकरंगी, सजिल्द
ISBN 81-7011-862-X
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

dFkk e¦t jh
शिक्षाप्रद संदेशों से युक्त कहानियों का समावेश है इसमें।
विभिन्न लेखक
चित्रांकन: सुरेन्द्र सुमन
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 104, एकरंगी
ISBN 81-7011-874-3

fd'kksj dFkk,¡
किशोर अवस्था के बच्चों की समस्याओं को इन कहानियों में बहुत ही दक्षता के साथ उकेरा गया है।
विभिन्न लेखक
चित्रांकन: अजंता गुहाठाकुरता
5½"×8½", पृष्ठ संख्या: 80, एकरंगी, सजिल्द
ISBN 81-7011-916-2
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

dhfrZ f'k[kj&bDdhl ,frgkfld dFkk,a

भारत भूमि के वीरों व वीरांगनाओं के जीवन से जुड़ी ऐतिहासिक कहानियां।

विभिन्न लेखक

चित्रांकन: गौतम राय

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 120, एकरंगी

ISBN 81-7011-781-X

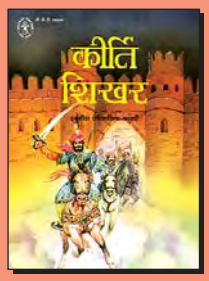

[ktkuk dgkfu;ksa dk

इस खज़ाने में मनोरंजक कहानियों के हीरे–मोती हैं।

विभिन्न लेखक

चित्रांकन: सौरभ पाण्डेय

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 104, बहुरंगी, सजिल्द

ISBN 81-7011-966-9

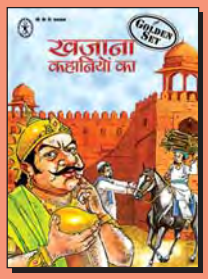

xMcM>kyk vkSj vU; dgkfu;ka

हँसी–मजाक, शिक्षा और रोमांच से भरपूर कहानियां।

चित्रांकन: सुरेन्द्र सुमन

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 96, बहुरंगी, सजिल्द

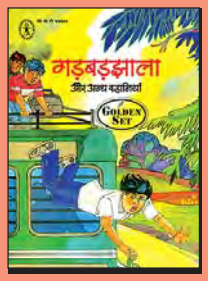

ISBN 81-7011-961-8

ubZ dgkfu;ka

विभिन्न प्रेरणा संदेश, हास्य, रोमांच व मनोरंजन लिए नवीन कहानियां इस संग्रह में समाहित हैं।

विभिन्न लेखक

चित्रांकन: शैवाल चैटर्जी

5½"×8½", पृष्ठ संख्या: 112, एकरंगी

ISBN 81-7011-437-3

uSfrd dgkfu;ka

यह कहानी–संग्रह मनोरंजन के साथ–साथ बच्चों में सद्‌गुणों का विकास भी करता है।

विभिन्न लेखक

चित्रांकन: शिवानी

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 64, बहुरंगी, सजिल्द

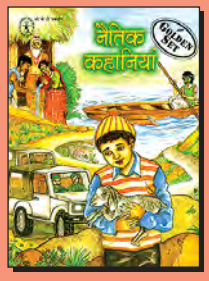

ISBN 81-89750-23-2

fiVkjk&feyh tqyh dgkfu;ka

दुबले–पतले भायाजी पगड़ी सात गज की पहनते थे। हाज़िर जवाबी की तो पूछो मत! उधर जब दादा ने खेल के मैदान में कदम रखा तो खेल का रंग ही बदल गया।

चित्रांकन: अंकुर मित्रा

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 72, बहुरंगी, सजिल्द

ISBN 81-7011-972-3

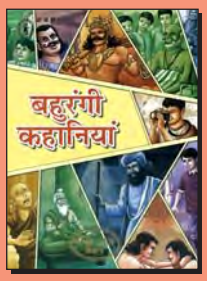

cgjxh dgkfu;k

इसमें निहित कहानियों के पात्र ऐसे हैं जो सपनों की तलाश करने के लिए हमें प्रोत्साहित करते हैं। उनका हिम्मत न हारने का जज़्बा किसी मिसाल से कम नहीं है। ये कहानियां जीवन के प्रति एक सकारात्मक सोच पैदा करती हैं।

विभिन्न लेखक
चित्रांकनः अंकुर मित्रा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 128, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 978-93-80076-95-9

foKku ,oa [ky dFkk,a

विज्ञान के रहस्य–रोमांच कैसे दिन दिखाएंगे, और खेलों के उतार–चढ़ाव की कहानियां इस संग्रह में शामिल हैं।

चित्रांकनः अंकुर मित्रा
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 104, एकरंगी, सजिल्द
ISBN 81-89750-56-9

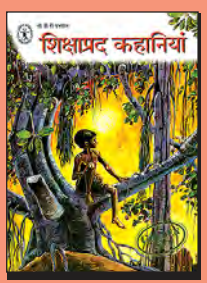

f'k{kkçn dgkfu;k

प्रत्येक भारतीय के लिए, पीपल का पेड़ बहुत पवित्र होता है। 15 कहानियों के इस संग्रह का लक्ष्य है बच्चों को सुदृढ़, नैतिक मूल्य आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना।

विभिन्न लेखक
चित्रांकनः सौरभ पाण्डेय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 72, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 81-89750-17-8
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

lhfi;k

इस पुस्तक की गुदगुदाने वाली, प्रेरणादायक कहानियां आपका भरपूर मनोरंजन करेंगी।

विभिन्न लेखक
चित्रांकनः विकी आर्य
5½"×8½", पृष्ठ संख्याः 240, एकरंगी, सजिल्द
ISBN 81-7011-823-9

gekjs ;qok cfynkuh

स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानियों की प्रेरणा व साहस की असंख्य कहानियां।

लेखकः उमाकांत मालवीय
चित्रांकनः पृथ्वीश्वर गायेन
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 56, द्विरंगी
ISBN 81-7011-836-0

पुस्तकों का पिटारा, मनोरंजन ढेर सारा

gkl yk dh mMku

12 वर्षीय मुक्ति का अपने पिता के राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों द्वारा अपहरण हो जाता है। क्या उसकी अक्षमता उसे वहां से बचकर भागने में आड़े आएगी या वह अपनी सूझबूझ से अपने अपहरणकर्ताओं को चकमा देने में सफल हो पाएगी? ऐसी साहस व दृढ़ता का परिचय देने वाली कहानियों का संग्रह।

चित्रांकन: संजय सरकार एवं सौरभ पाण्डेय

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 128, बहुरंगी, सजिल्द

ISBN 978-98-84699-16-1

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

Kkuo/kd

bl ox e çÑfr] ouLifr vkj tr&txr] vkfo"dkj o [kkt] oKkfud fl)kr] oKkfudk dk thou pfj=] vkfn fufgr gA ble mu egku i:"kk o efgykvk dh Hkh thofu;k g ftUgku Hkkjr d Lor=rk lxke e fgLlk fy;k vkj nfu;k dh çxfr e ;kxnku fn;kA

vkvk igpku mi;kxh o{kk dk

पर्यावरण को शुद्ध करने के अतिरिक्त, पेड़ अनगिनत तरीकों से हमारी मदद करते हैं। इस पुस्तक में ऐसे ही कुछ पेड़ों की जानकारी दी गई है।

लेखन: रेखा रस्तोगी

चित्रांकन: अजंता गुहाठाकुरता

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 56, द्विरंगी

ISBN 81-7011-800-X

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

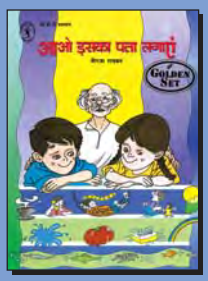

vkvk bldk irk yxk,

कभी सोचा है कि जब कोई गुदगुदी करता है तो आपको हँसी क्यों आती है? या शिशु सोते हुए क्यों मुस्कुराते हैं? रोज़मर्रा के जीवन में घटने वाली घटनाओं के बारे में इस पुस्तक में वैज्ञानिक सिद्धांतों द्वारा समझाया गया है।

लेखन: नीरजा राघवन

चित्रांकन: सुबीर रॉय

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 88, बहुरंगी, सजिल्द

ISBN 81-7011-938-3

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

mi;kxh vkfo"dkj

इसमें कई आविष्कारों की कहानी और कार्यप्रणाली दी गई है।

चित्रांकन: सुरेन्द्र सुमन
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 72, द्विरंगी
ISBN 81-7011-922-7

D;k thou futhZo oLrqvksa ls vkrk gS

यूनान के प्राचीन लोग मानते थे कि जीवित वस्तुएं सहजता से निर्जीव वस्तुओं के अस्तित्व में आ जाती हैं, पर बाद में इस सिद्धांत पर अनेक तरह के प्रयोग और तथ्य सामने आए।

लेखन: एम.जे. सुंदर राम
चित्रांकन: सौरभ पाण्डेय
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 48, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-03-1
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

dqN Hkkjrh; i{kh

इस पुस्तक में पढ़ें कुछ असाधारण पक्षियों के बारे में।

लेखन: एन.एन. मजूमदार
चित्रांकन: एस. बासू रॉय मजूमदार और प्रणब चकवर्ती
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 56, बहुरंगी
ISBN 81-7011-094-7
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

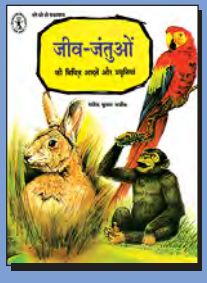

tho&tUrqvksa dh fofp= vknrsa vkSj çof̀r;k¡

जीव–जंतुओं के जीवनयापन से जुड़ी विचित्र आदतों के बारे में इस पुस्तक में बताया गया है।

लेखन: राजेन्द्र कुमार राजीव
चित्रांकन: सूर्य बोस
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 48, बहुरंगी
ISBN 81-7011-740-2

fVofUdy&fVofUdy fyfVy LVkj% gekjk varfj{k

ब्रह्माण्डविज्ञान ने अनेक तथ्यों को उजागर किया है, फिर भी अभी असीमित रहस्यों का बाहर आना बाकी है। इस पुस्तक में ऐसे ही तथ्यों के बारे में बताया गया है।

लेखन: टी. पक्षीराजन
चित्रांकन: सुबीर रॉय
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 104, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 978-93-80076-14-0
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

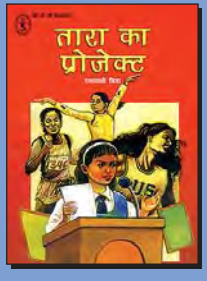

rkjk dk çkstsDV

अपनी बहन दिशा के साथ अपने रिश्ते के भाई प्रशांत के घर में इंटरनेट की सर्फिंग करते हुए 12 वर्षीय तारा,

ओलम्पिक की महिला खिलाड़ियों पर प्रोजेक्ट बनाने का निश्चय करती है।

लेखन: रत्नावली मित्रा
चित्रांकन: संजय सरकार
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 40, बहुरंगी
ISBN 978-93-80076-73-7
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

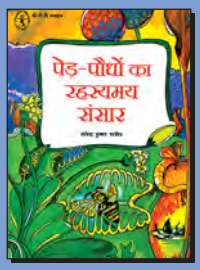

isM&ikS/kksa dk jgL;e; lalkj

इसमें पौधों की संवेदनाओं, वैज्ञानिकों के विभिन्न प्रयोगों और उनके विचित्र स्वभाव के बारे में जानकारी है।

लेखन: राजेन्द्र कुमार राजीव
चित्रांकन: सुरेन्द्र सुमन
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 48, द्विरंगी
ISBN 81-7011-878-6

çÑfr dh iqdkj

मानव के लालच की वजह से पर्यावरण को जो क्षति पहुंच रही है उससे प्रकृति स्वयं को बेबस महसूस कर रही है। वक्त आ गया है कि हम प्रकृति को बचाने का उपाय करें।

विभिन्न लेखक
चित्रांकन: अंकुर मित्रा
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 56, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-43-7
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

ijek.kq ls uSuks&çkS|ksfxdh rd

हमारे आसपास जो भी होता है, वह विज्ञान है। यह पुस्तक ऐसे ही कुछ तथ्यों को रखती है जिन्हें हम सामान्य मानते हैं पर उनके पीछे वैज्ञानिक सच निहित होता है।

विभिन्न लेखक
चित्रांकन: निलाभो धर चौधरी
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 144, द्विरंगी, सजिल्द
ISBN 81-7011-925-1
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

chloha lnh dk foy{k.k vkfo"dkj% yslj

लेसर के उन्नतशील विकास और इसकी विध्वंसक शक्तियों का वर्णन इस पुस्तक में किया गया है।

लेखन: परशुराम शुक्ल
चित्रांकन: शिवानी और अंकुर मित्रा
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 64, बहुरंगी
ISBN 81-89750-64-X

ज्ञानवर्धक

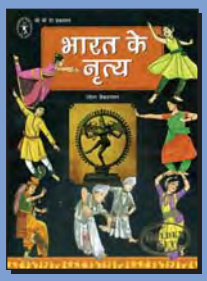

Hkkjr d uR;

भारतीय शास्त्रीय नृत्य, पारंपरिक कथावाचन, कला व संगीतमय रचना का मिश्रण एक विशिष्ट कला का रूप है जो दर्शकों को अपने अभिनय, रस, वेशभूषा और आभूषणों से मंत्रमुग्ध करता है। सुंदर चित्रों से सज्जित यह पुस्तक शास्त्रीय नृत्यों के मूल तत्वों के बारे में तो बताती ही है, साथ ही उनके उद्भव और विकास का भी विस्तृत रूप से वर्णन करती है।

लेखनः लीला वेंकटरामन
रूपरेखा व चित्रांकनः सौरभ पाण्डेय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 120, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 978-93-80076-91-1
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

Hkkjrh; oU; tho

इस पुस्तक में भारत में पाए जाने वाले कई प्रकार के वन्य जीवों के बारे में रोचक जानकारी दी गई है।

लेखनः परशुराम शुक्ल
चित्रांकनः तापस गुहा एवं सुरेन्द्र सुमन
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 96, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 81-7011-888-3

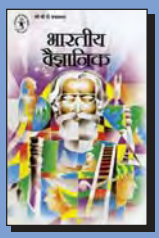

Hkkjrh; oSKkfud

भारत में विज्ञान की उत्पत्ति, समय के साथ उसका विकास और जिन व्यक्तियों ने उसमें योगदान दिया, यह पुस्तक इसी पर आधारित है।

लेखनः दिलीप एम. साल्वी
चित्रांकनः मृणाल मित्र और बी.जी. वर्मा
5½"×8½", पृष्ठ संख्याः 160, एकरंगी
ISBN 81-7011-319-9
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

eki dk peRdkj

यह पुस्तक संख्या और इकाइयों की यात्रा पर ले जाती है।

लेखनः जी. शारदा
चित्रांकनः संजय सरकार
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 44, बहुरंगी
ISBN 978-93-80076-84-3
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

;g dSl gksrk g\

एक बिना तार का फोन, एटीएम मशीन या फिर रिमोट कंट्रोल, कैसे काम करता है?

पुस्तकों का पिटारा, मनोरंजन ढेर सारा

लेखन: नीरजा राघवन
चित्रांकन: सुरेन्द्र सुमन
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 80, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 978-93-80076-32-4
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

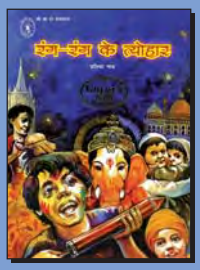

jx&jx d R;kgkj

त्योहार प्रत्येक भारतीय के जीवन का एक अभिन्न हिस्सा हैं। इस पुस्तक में अनेक त्योहारों का वर्णन बहुत ही रूचिकर ढंग से किया गया है।

लेखन: प्रतिभा नाथ
चित्रांकन: संजय सरकार
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 104, बहुरंगी, सजिल्द
ISBN 978-93-80076-68-3
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

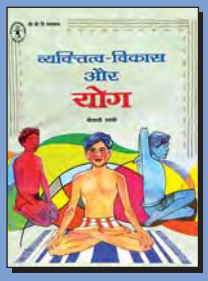

0;fDrRo fodkl vkj ;kx

योग भारतीय संस्कृति की अनुपम देन है। यह पुस्तक बहुत ही सरल ढंग से योग के फायदों के बारे में बताती है।

लेखन: मीनाक्षी स्वामी
चित्रांकन: सुरेन्द्र सुमन
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 56, एकरंगी
ISBN 81-7011-921-9
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

foKku d eukjtd [ky

घर में पड़ी बेकार चीज़ों का खेल–खेल में प्रयोग कर विज्ञान के आश्चर्यजनक चमत्कार किए जा सकते हैं।

लेखन: आइवर यूशियल
चित्रांकन: बी.जी. वर्मा
7"×9½", पृष्ठ संख्या: 80, द्विरंगी
ISBN 81-7011-523-X

lkekT; fgyk pVdh Hkj ued l

तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इरविन ने 'चुटकी भर नमक' से सरकार को हिलाने की 'मूर्खतापूर्ण योजना' की खिल्ली उड़ाई। फिर भी डांडी मार्च का असर कितना गहरा पड़ा था!

लेखन: सरोजिनी सिन्हा
चित्रांकन: मृणाल मित्र
5½"×8½", पृष्ठ संख्या: 88, एकरंगी
ISBN 81-7011-309-1
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

gekj iMklh

हमारे पड़ोसी—भूटान, बंगलादेश, म्यंमार, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका का विहंगम अवलोकन।

लेखन: चंद्रलेखा मेहता

चित्रांकन: पुलक विश्वास

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 40, द्विरंगी

ISBN 81-7011-050-8

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

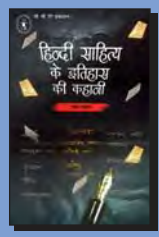

fgnh lkfgR; d bfrgkl dh dgkuh

पढ़ें हिंदी साहित्य की रोचक कहानी।

लेखन: उषा यादव

आवरण: सुबीर रॉय

5½"×8½", पृष्ठ संख्या: 96, एकरंगी

ISBN 81-7011-627-9

thou&pfj=

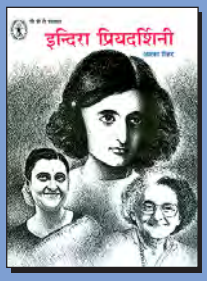

mu egku iq:"kk o efgykvk dh thofu;k ftUgksu Hkkjr d Lora=rk lxke e fgLlk fy;k vkj nfu;k dh çxfr e ;kxnku fn;kA

bfnjk fç;n'kuh

अत्यधिक गंभीर और अपने में सिमटी, अटल, दृढ़, शांत और भयमुक्त, यह जीवनी एक असाधारण नेता की है।

लेखन: अलका शंकर

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 188, एकरंगी

ISBN 81-7011-42-6-8

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

xka/khth dh dgkuh

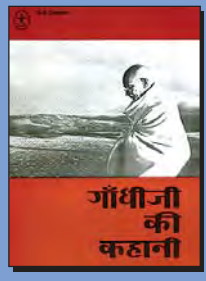

गांधीजी से जुड़ी रोचक घटनाएं चित्रित हैं इस पुस्तक में।

लेखन: राजकुमारी शंकर

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 120, एकरंगी

ISBN 81-7011-092-0

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

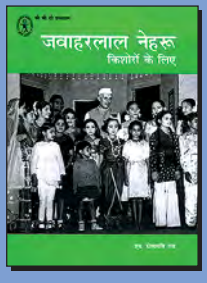

tokgjyky ug:% fd'kkjk d fy,

यह पुस्तक नेहरू से जुड़े भारतीय इतिहास के यादगार समय को चित्रित करती है।

लेखन: एम. चलापति राव

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 112, एकरंगी

ISBN 81-7011-049-1

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

पुस्तकों का पिटारा, मनोरंजन ढेर सारा

ज्ञानवर्धक

ybl cly dh dgkuh

यह पुस्तक ब्रेल के इतिहास और उसके असाधारण अन्वेषक के जीवन का खूबसूरती से चित्रण करती है।

लेखनः मणिमाला दास

चित्रांकनः अंकुर मित्रा

7"×9½", पृष्ठ संख्याः 48, बहुरंगी

ISBN 978-93-80076-76-8

अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

fpjLej.kh; J[kyk

bl J[kyk dh iLrd egku i:"kk o efgykvk d 0;fDrRo dh >yd fn[kkrh g\A

विभिन्न लेखक

5½"×8½", पृष्ठ संख्याः विविध, एकरंगी

हिंदी और अंग्रेज़ी में उपलब्ध

egku 0;fDrRo Hkkx&1

बंकिम चंद्र • एनी बीसेंट • भिकाजी कामा • सरोजिनी नायडू • अबु कलाम आज़ाद • सी.वी. रामन • कमला नेहरू • लाल बहादुर शास्त्री

ISBN 81-7011-485-3

egku 0;fDrRo Hkkx&2

लोकमान्य तिलक • अन्नासाहेब कर्वे • विश्वेश्वर्या • लाजपत राय • श्री अरविंदो • वल्लभभाई पटेल • सुब्रम्हणयम भारती • राजेन्द्र प्रसाद

ISBN 81-7011-486-1

egku 0;fDrRo Hkkx&3

राजा राम मोहन रॉय • केशव चंद्र सेन • सुरेन्द्रनाथ बैनर्जी • वी. ओ. चिदाम्बरम पिल्लै • श्रीनिवास रामानुजन • सर्वपल्ली राधाकृष्णन • राजकुमारी अमृत कौर • जय प्रकाश नारायण

ISBN 81-7011-732-1

egku 0;fDrRo Hkkx&4

दयानंद सरस्वती • रविन्द्रनाथ टैगोर • गोविंद वल्लभ पंत • राम मनोहर लोहिया

ISBN 81-7011-770-4

egku 0;fDrRo Hkkx&5

गोपाल कृष्ण गोखले • वी.एस. श्रीनिवास शास्त्री • खान अब्दुल गफ्फार खान • मेघनाद साहा

ISBN 81-7011-833-6

egku 0;fDrRo Hkkx&6

दादाभाई नौरौजी • चितरंजन दास • रास बिहारी बोस • एस. सत्यामूर्ति • बी.आर. अम्बेडकर • कमलादेवी चट्टोपाध्याय

ISBN 81-7011-834-4

egku 0;fDrRo Hkkx&7

महादेव गोविंद रानाडे • मोहम्मद इकबाल • भूलाभाई देसाई • बिधान चंद्र रॉय • विनायक दामोदर सावरकर • के. कामराज

ISBN 81-7011-877-8

egku 0;fDrRo Hkkx&8

विपिन चंद्र पाल • जगदीश चंद्र बोस • कस्तूरबा गांधी • विट्ठलभाई पटेल • रफी एहमद किदवाई • विनोबा भावे • श्यामा प्रसाद मुखर्जी • होमी भाभा

ISBN 81-7011-899-9

egku 0;fDrRo Hkkx&9

सय्यैद अहमद खान • ईश्वरचंद्र विद्यासागर • विवेकानंद • मदनमोहन मालवीय • जे.बी. कृपलानी • विजयलक्ष्मी पंडित

ISBN 81-7011-906-5

egku 0;fDrRo Hkkx&10

फिरोज़शाह मेहता • तेज़ बहादुर सप्रू • जगजीवन राम • सी. राजागोपालाचारी • के.एम. मुंशी • जी.वी. मावलंकर • काका साहेब गाडगिल

ISBN 81-7011-989-8

egku 0;fDrRo Hkkx&11

मोतीलाल घोष • जी. सुब्रमणयम अय्यर • बी.जी. होर्नीमन • सी.वाई. चिंतामणी • एस.ए. ब्रेल्वी • के. शंकर पिल्लै • सत्यजीत रे • पोथन जोसेफ

ISBN 978-81-89750-40-4

egku 0;fDrRo Hkkx&12

नारायण गुरू • मदर टेरेसा • बाबा आम्टे • वर्गीज़ कुरियन • सुंदरलाल बहुगुणा • प्रमोद कुमार सेठी • किरण बेदी • राजेन्द्र सिंह

ISBN 978-81-89750-58-9

D;k vkj dl

fgnh vkj vxTkh e miyCèk ;g J[kyk cPpk dk ifjp; vkfo"dkjk l djokrh gA

dl;Vj

लेखन: राकेश मोहन हेलेन

चित्रांकन: अंकुर मित्रा

7"×9½", पृष्ठ संख्या: 24, बहुरंगी

ISBN 81-7011-959-6

पुस्तकों का पिटारा, मनोरंजन ढेर सारा

?kMh
लेखनः नवकला रॉय
चित्रांकनः सुरेन्द्र सिंह राठौर
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, द्विरंगी
ISBN 81-7011-400-4

tgkt
लेखनः नवकला रॉय
चित्रांकनः मोनिषा कॉल
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 32, बहुरंगी
ISBN 81-7011-304-0

VyhQku
लेखनः नवकला रॉय
चित्रांकनः सुबीर रॉय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, द्विरंगी
ISBN 81-7011-317-2

Vyhfotu
लेखनः नवकला रॉय
चित्रांकनः सुबीर रॉय
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, द्विरंगी
ISBN 81-7011-342-3

ekVj dkj
लेखनः नवकला रॉय
चित्रांकनः अमरनाथ कुंडू
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, द्विरंगी
ISBN 81-7011-305-9

jyxkMh
लेखनः नवकला रॉय
चित्रांकनः टी. कार्तिकेयन
7"×9½", पृष्ठ संख्याः 24, द्विरंगी
ISBN 81-7011-772-0

gokbZ tgkt
लेखनः नवकला रॉय
चित्रांकनः सुबीर रॉय
7"x9½", पृष्ठ संख्याः 32, द्विरंगी
ISBN 81-7011-304-0

u, çdk'ku

vkd"k dh uUgh nkLr

लेखनः अलका शंकर
चित्रांकनः अंकुर मित्रा
7"x9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-60-4
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

dHkh iM+ l s dgk 'kfØ;k\

लेखनः श्यामला एस.
चित्रांकनः आर. आशीष बागची
7"x9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-50-5
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

dN rk djuk g

लेखनः अलका शंकर
चित्रांकनः आर आशीष बागची
7"x9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-57-4
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

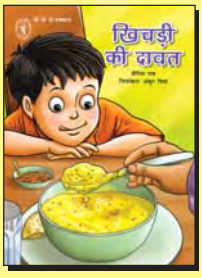

f[kpMh dh nkor

लेखनः शैरिल राव
चित्रांकनः अंकुर मित्रा
7"x9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-52-9
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

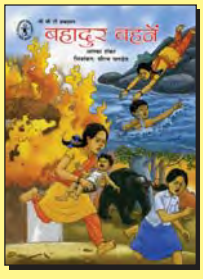

cgknj cgu

लेखनः अलका शंकर
चित्रांकनः सौरभ पाण्डेय
7"x9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-54-3
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

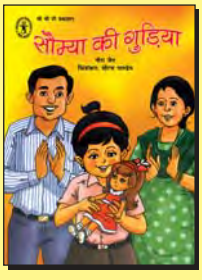

lkE;k dh xfM+;k

लेखनः नीरा जैन
चित्रांकनः सौरभ पाण्डेय
7"x9½", पृष्ठ संख्याः 16, बहुरंगी
ISBN 978-93-84699-47-5
अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध

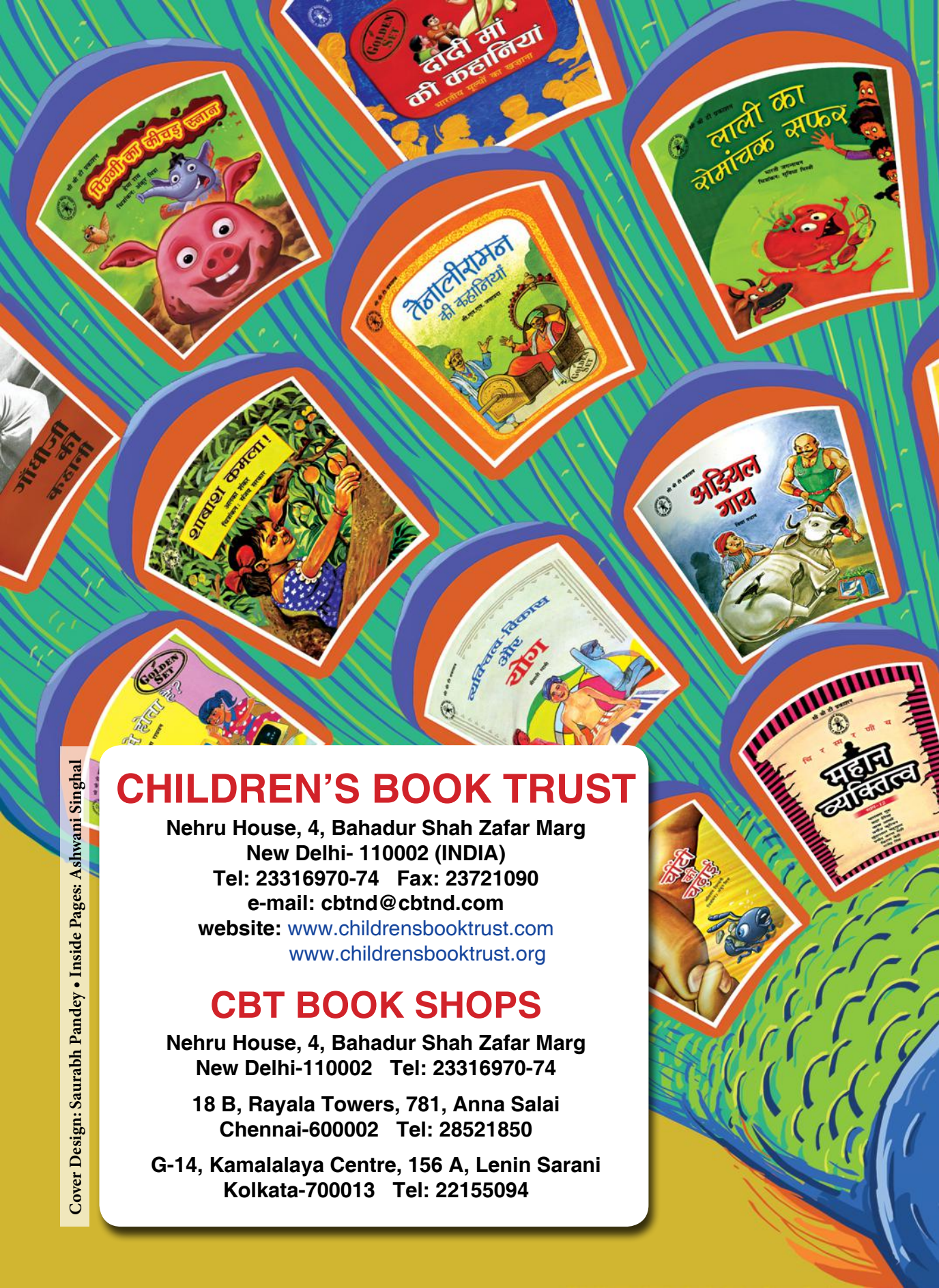

Cover Design: Saurabh Pandey • Inside Pages: Ashwani Singhal

CHILDREN'S BOOK TRUST

Nehru House, 4, Bahadur Shah Zafar Marg
New Delhi- 110002 (INDIA)
Tel: 23316970-74 Fax: 23721090
e-mail: cbtnd@cbtnd.com
website: www.childrensbooktrust.com
www.childrensbooktrust.org

CBT BOOK SHOPS

Nehru House, 4, Bahadur Shah Zafar Marg
New Delhi-110002 Tel: 23316970-74

18 B, Rayala Towers, 781, Anna Salai
Chennai-600002 Tel: 28521850

G-14, Kamalalaya Centre, 156 A, Lenin Sarani
Kolkata-700013 Tel: 22155094